RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

मतलबी लोग आपके साथ नहीं बल्कि आपकी हैसियत के साथ होते है।
स्वामी विवेकानंद

वर्ष-04, अंक - 15 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 13 जनवरी 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

ग्राम पंचायतों का वित्तीय अधिकार किसको...?

माही की गूंज, झाबुआ।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव एक बार फिर टलने के बाद सभी के मन में अब एक ही सवाल है कि, अब किसे मिलेगा वित्तीय अधिकार...? कोरोना की पहली लहर के बाद स्थगित किए गए चुनाव में तो सरकार ने पूर्व सरपंच को ही प्रधान बनाकर वित्तीय अधिकार दे दिए गए थे, किंतु पिछले दिनों ग्राम पंचायत के चुनावो की घोषणा के बाद से ही आचार संहिता लागू हो गई थी और प्रधान के भी सारे अधिकार समाप्त हो गए थे। लेकिन पिछड़ा वर्ग के गलत आरक्षण के चलते सरकार को एक बार फिर चुनाव रद्द करना पड़े। जिसके बाद पिछले दिनों सरकार ने एक पत्र जारी करके पुराने सरपंच को ही पुनः प्रभार देने संबंधी आदेश जारी किया था, लेकिन दुसरे दि नही 5 जनवरी को ही सरकार ने वह आदेश पुनः निरस्त कर दिया। जिसके बाद पुराने सरपंच उर्फप्रधान एक बार पुनः भूतपूर्व सरपंच बन गए। वैसे तो ग्राम पंचायतों के अधिकार आचार संहिता लागू होने के साथ ही समाप्त हो चुके हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आगामी तीन-चार माह में चुनाव होना संभव नहीं लग रहा है। ऐसे में कई ग्राम पंचायतों के कार्यों के पैसे अटके पड़े हैं, कहीं मजदूरों की मजदूरी बाकी है। ऐसे में उनका पैसा जब तक चुनाव ना हो जाए अटका ही रहेगा क्या...? यही नहीं कई दुकानदारों व ठेकेदारों के पैसे भी कई ग्राम पंचायतों में अटके पड़े हैं उनको भुगतान कौन करेगा...? यही नहीं कई ग्रामों में कई विकास कार्य अधूरे भी पड़े हैं। पैसे के अभाव में वे कैसे पूरे होंगे...? कांग्रेस पुराने सरपंचों के अधिकार वापसी की मांग कर चुकी है, ऐसे में सरकार को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए कि, आखिर ग्राम पंचायतों के वित्तीय अधिकार किसको देना चाहती है...? क्योंकि विलंब की स्थिति में नुकसान ग्राम वासियों के साथ ही अंततः सरकार को ही उठाना पड़ सकता है।

राष्ट्रपति से मांगी सीएम के पिता ने इच्छामृत्यु

दुर्ग। अपने बयानों से अक्सर चर्चा में रहने वाले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से इच्छा मृत्यु की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता जागृति मंच के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। जिसमें नंदकुमार बघेल की मांग है कि, ईवीएम के बजाए पूरे देश में बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाए अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को इच्छामृत्यु प्रदान करने की अनुमति दी जाए।

यह बताई वजह

नंदकुमार बघेल ने अपने पत्र में लिखा कि, आपको अत्यन्त दुःख के साथ अवगत कराना पड़ रहा है कि देश के नागरिकों के समस्त संवैधानिक अधिकारों का व्यापक स्तर पर हनन हो रहा है। लोकतंत्र के तीनों स्तम्भ विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका धवस्त होती जा रही है। मीडिया भी लोकतंत्र के तीनो स्तम्भों के इशारे पर कार्य कर रही है। देश के नागरिकों के अधिकारों के संबंध में कोई सुनने वाला नहीं है? जिन जनप्रतिनिधियों को मतदाता अपनी हर समस्या के लिए चुनते है। उनकी आवाज भी निरन्तर दबती जा रही है। विधायिका देश के समस्त सरकारी विभागों व उपक्रमों को अपने चहेतों को बेच रही है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार में संलिप्त होकर अपने आने वाली सन्तानों के लिए अधिक से अधिक धन इकट्ठा कर उनका भविष्य सुरक्षित करने में लगी है।

ईवीएम पर उठाए सवाल

नंदकुमार बघेल ने अपने पत्र में लिखा कि, लोकतंत्र के सबसे बड़े अधिकार मतदान के अधिकार को ईवीएम मशीन के द्वारा कराया जा रहा है। ईवीएम मशीन को किसी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त संस्था या सरकार ने 100 प्रतिशत शुद्धता से काम करने का प्रमाण पत्र नहीं दिया है? किसी भी मशीन को उपयोग में लाने से पूर्व मान्यता प्राप्त तकनीकि संस्था या सरकार द्वारा मशीन का शुद्धता से काम करने का प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। फिर भी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ईवीएम मशीन से मतदान कराकर मेरे वोट के उस संवैधानिक अधिकार का हनन किया जा रहा है। ईवीएम से मतदान कराकर सरकारें देश की सरकारी संपत्तियों को बेचकर देश में गरीबी एंव बेरोजगारी को बढ़ाने का पाप कर रही है। उस पाप का मैं भागीदार नहीं बनना चाहता। यदि ईवीएम के स्थान पर मतपत्र एवं पेटी से मतदान संभव नहीं? तो मुझे 25 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर इच्छा मृत्यु करने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

नंदकुमार बघेल जागृति मंच नाम की संस्था चलाते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल कई विवादों से चर्चा में रहे हैं। 86 वर्ष के नंदकुमार बघेल स्वतंत्र रूप से मतदाता जागृति मंच नाम की संस्था चलाते हैं। ब्राह्मण समाज के खिलाफटिप्पणी करने पर रायपुर के डीडीनगर थाने में आईपीसी की धारा 153(ए) और 505, एक के तहत एफआईआर दर्ज कर किया गया था। इसके अलावा भी उनके कई बयानों से विवाद होता रहा है।

पंचायत चुनावः परिसीमन को लेकर नया आदेश जारी

भोपाल।

मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव निरस्त होने के बाद से गहमागहमी बनी हुई है। रोजाना कोई नया आदेश, कोई नया दांव देखने को मिल रहा है। पंचायतों के संचालन को लेकर अगल असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश में पहले पंचायतों के संचालन की जिम्मेदारी सरपंच और सचिवों को दी गई थी, बाद में शिवराज सरकार ने ये फैसला वापस ले लिया और सरपंच सचिवों को दिए गए वित्तीय अधिकार वापस ले लिए। प्रदेश में अब सरपंच सरकार के खिलाफलामबंद होते नजर आ रहे हैं और उन्हें उनके वित्तीय अधिकार वापस करने की मांग कर रहे है।

पंचायत चुनाव के लिए सरकार ने परिसीमन का आदेश जारी कर दिया है। पंचायत विभाग ने इस बाबत सभी कलेक्टर को आदेश जारी किए हैं। इसको लेकर ग्राम पंचायतों वार्ड प्रभारियों से सारी जानकारी मांगी गई है। क्षेत्र की जनसंख्या और भौगोलिक जानकारी देने के भी आदेश दिए गए हैं। 17 जनवरी तक पंचायत सचिवों से जानकारी मांगी गई है। बता दें 17 जनवरी से 25 फरवरी तक परिसीमन प्रक्रिया की जाएगी।

जिले में पुलिस ने गौसेवा को किया अपनी ड्यूटी में शामिल

आगर मालवा।

देशभक्ति-जनसेवा का स्लोगन अपनाने वाली पुलिस इन दिनों मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में देशभक्ति और जनसेवा के साथ साथ गौसेवा कर एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। आगर मालवा जिले के एक पुलिस थाने में गायों को लेकर मानवता की एक अलग ही मिसाल दिखाई दे रही है। यहां पुलिस लावारिस गायों को कपकपाती ठंड से बचाने के लिए रात भर अलाव लगाकर बारी-बारी से गौसेवा की ड्यूटी निभा रही है।

आगर मालवा जिले में पुलिस का एक अलग ही मानवीय चेहरा सामने आ रहा है। हमेशा अपराधियों को पकड़ने वाली सख्त पुलिस, सुसनेर में इन दिनो गायों के लिए एक मां की तरह जवाबदारियां तक निभा रही है। गौसेवा की एक अनूठी मिसाल पेश करते हुए सुसनेर पुलिस थाने के परिसर में लावारिस गायों को पाल रही है।

अलाव की व्यवस्था

दरअसल, सुसनेर थाने के आसपास ग्राउंड में पिछले कई वर्षों से नगर में घुमने वाली गायें बैठी रहती है। इन गायों को पानी से लेकर चारे की व्यवस्था तक कई बार थाने में मौजूद पुलिसकर्मियो द्वारा की जाती है। इन दिनों प्रदेश सहित आगर-मालवा जिले में कड़कड़ाती ठंड का सितम जारी है। कड़कड़ाती ठंड के कारण कई गायों को असमय ही मौत के मुंह मे समाना पड़ता है। लेकिन सुसनेर पुलिस थाने के आसपास भटकने वाली गायों की चिंता करने वाला जब कोई नहीं था तो सुसनेर पुलिस द्वारा उनकी परिवार की तरह चिंता कर अलाव की व्यवस्था की जा रही है।

एमपी में कोरोना का आंकड़ा 12 हजार पार

भोपाल। मध्यप्रदेश में संक्रमण का कहर जारी है। आए दिन आंकड़ों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बुधवार तक प्रदेश में 3 हजार 589 नए केस की पुष्टि हुई है। जिनमे इंदौर में एक हजार 170 जबकि राजधानी भोपाल में 572 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। वहीं ग्वालियर में आंकड़ा बढ़कर 555 हो गया है। जबलपुर और उज्जैन में भी कोरोना का कहर देखने को मिल रहा है। जबलपुर में जहां 210 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। वहीं उज्जैन में 124 नए संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है।

वहीं मध्यप्रदेश में इतने केस मिलने के बाद एक्टिव केसों की संख्या 12 हजार के पार पहुंच गई है। संक्रमण दर 3.8 प्रतिशत हो गया है। रिकवरी रेट 97 प्रतिशत पर बना हुआ है। इधर सीएम शिवराज द्वारा लगातार कोरोना समीक्षा बैठक की जा रही है। इससे पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक मध्यप्रदेश में मंगलवार को 3 हजार 160 से अधिक नए मरीजों की पुष्टि हुई थी। बुधवार को प्रदेश में डेल्टा और ओमीक्रोन वेरिएंट के संक्रमित मरीज सामने आए हैं।

पंजाब पहुंचे केजरीवाल, किया बड़ा वादा

चंडीगढ़। पंजाब में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए मतदान में अब करीब एक महीने का समय बचा है और इस बीच सभी पार्टियों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को चंडीगढ़ पहुंचे और कहा कि, हम वादा करते हैं कि अगर हम सत्ता में आए, तो हम आम आदमी से लेकर प्रधानमंत्री तक की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पंजाब के सीएम उम्मीदवार को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, सीएम के चेहरे के नाम की घोषणा अगले हफ्ते की जाएगी। चंडीगढ़ पहुंचने के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा, यदि आम आदमी पार्टी सत्ता में आती है तो हम पंजाब के लोगों के लिए कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार करने और बेअदबी की पिछली सभी घटनाओं में न्याय सुनिश्चित करने का आश्वासन देते हैं। सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी चाहे वह पीएम हो या कोई आम। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और कहा कि, कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब होती जा रही है, चन्नी सरकार इसे संभाल नहीं पा रही है।

एलओसी पर बैठे 400 से ज्यादा आतंकवादी

नई दिल्ली, एजेंसी।

सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि, पाक अधिकृत कश्मीर में चल रहे आतंकी प्रशिक्षण शिविरों एवं लांच पैड में 350-400 आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में बैठे हैं हालांकि, सेना पूरी तरह से सतर्क है। नरवणे ने सेना की वार्षिक प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि, खुफिया स्त्रोतों से जानकारी मिली है कि, पश्चिमी सेक्टर में सीमापार आतंकी शिविरों में बड़ी संख्या में आतंकी मौजूद हैं। हालांकि नियंत्रण रेखा से सर्दियों के दौरान घुसपैठ में कमी आ जाती है लेकिन जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा की तरफसे इस तरह का खतरा बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि, पाकिस्तानी सेना के साथ गोलीबारी को विराम देने के लिए हुई सहमति के बाद पिछले वर्ष फरवरी के बाद इसके उल्लंघन की इक्का-दुक्का घटनाएं ही हुई हैं। इससे स्थिति को कुछ हद तक सामान्य करने में मदद मिली है, लेकिन सेना प्रमुख के अनुसार, पश्चिमी क्षेत्र में खतरा कम नहीं हुआ है और इसलिए हमें सतर्क बने रहना है। उन्होंने सरकार के रुख से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में लगातार सुधार होने की बात भी कही।

नरवणे ने माना कि, ड्रोन के इस्तेमाल से चुनौती बढ़ी है और हथियारों के साथ-साथ नशीले पदार्थों की तस्करी में भी इनका इस्तेमाल किया जा रहा है। यह खतरा बढ़ रहा है लेकिन सेना और गृह मंत्रालय दोनों इससे निपटने के उपाय कर रहे हैं।

कजाकिस्तान में फंसे 7 हजार से ज्यादा भारतीय स्टूडेंट

नई दिल्ली, एजेंसी।

कजाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दामों में हुई बढ़ोतरी के चलते उपद्रव जारी है। स्थानीय लोग सरकार के खिलाफप्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके चलते वहां पर इमरजेंसी लगा दी गई है। इस उपद्रव की वजह से वहां पर एमबीबीएस सहित अन्य कोर्स करने के लिए लगभग 7 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र फंस गए हैं। फिलहाल ये सभी छात्र हॉस्टल में सुरक्षित हैं। लेकिन फोन सेवाएं चालू नहीं होने की वजह से ये छात्र घर पर बात नहीं कर पा रहे हैं।

बता दें कि, कजाकिस्तान में 19 जनवरी तक इमरजेंसी लागू है। इसके चलते वहां पर नोटबंदी भी की जा रही है। बड़े मॉल व मुख्य मार्गों पर आवागमन पर सेना तैनात है। ऐसे में हॉस्टल में रहने वाले स्टूडेंट्स को बाहर जाने की इजाजत नहीं मिल रही है। कॉलेज भी पूरी तरह बंद हैं।

10 यूनिवर्सिटीज में पढ़ते हैं भारतीय छात्र

रिपोर्ट्स की मानें तो, कजाकिस्तान में इस समय करीब दस युनिवर्सिटीज में भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। इनकी संख्या 7 हजार के आसपास है। ये यूनिवर्सिटीज अल्माटी, अक्टोबे, सिनकेन, कोस्तकोओ, अस्ताना, सेमी, काथगंदा जैसे शहरों में स्थित हैं।

भारतीय दूतावास सक्रिय

कजाकिस्तान में रहने वाले भारतीयों की मदद के लिए भारतीय दूतावास सक्रिय हो गया है। दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों से अपील की कि, वो स्थानीय सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी तरह की दिक्कत होने पर भारतीय दूतावास में संपर्क करें।

कांस्टेबल के पास मिली 1.7 करोड़ की संपत्ति, तीसरी मंजिल पर बनाया स्विमिंग पूल

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा पुलिस के एक कांस्टेबल की बेहिसाहब संपत्ति का खुलासा हुआ है। उसने अपनी तीन मंजिला घर की छत पर स्वीमिंग पूल तक बनवा रखा था। जब घर पर निगरानी विभाग की रेड पड़ी तो तब आरोपी जवान मौके से फरार हो गया। मामला मयूरभंज जिले के बारीपाड़ा शहर का है।

निगरानी विभाग को सूचना मिली थी कि, इस कांस्टेबल ने अज्ञात स्त्रोतों से अकूत संपत्ति जुटा ली है। बारीपाड़ा शहर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बीरेंद्र सेनापति ने बताया कि, इसी थाने के कांस्टेबल निहार रंजन दंडपत की प्रॉपर्टी पर जब छापेमारी करने विजिलेंस की टीम पहुंची तब वह अपने घर की छत से कूदकर फरार हो गया।

विजिलेंस अधिकारियों की 7 टीम ने कांस्टेबल के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस टीम में 9 डीएसपी, 5 इंस्पेक्टर और 5 असिस्टेंड सब-इंस्पेक्टर शामिल थे। कांस्टेबल के सरकारी आवास, उसके निजी आवास तथा उसके माता-पिता के घर समेत कुल 7 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। निगरानी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, इस छापेमारी में 1.27 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला है।

इसमें एक तीन मंजिला इमारत भी शामिल है। इसके अलावा मयूरभंज जिले में 2 प्लॉट, 2 दोपहिया वाहन, कम्प्यूटर से जुड़े सामान, 13 लाख रुपए और सोना-चांदी के जेवरात शामिल हैं। घर पर छापेमारी के दौरान यह भी पता चला कि वो एक गैस एजेंसी चला रहा था जो उसकी पत्नी पिंकी दंडपत के नाम से है।

आखिर किस दिशा में जा रही भाजपा...?

आदर्शों की पार्टी कहने वाले आपस में गाली-गलोच तक हो रहे उतारू, फिर भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा कह रहे है जो समाज चाहता है उसके अनुरूप है भाजपा का व्यवहार...!

अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष आपस में भिड़े, उचित सम्मान नहीं मिलने पर भड़के कलसिंह भाभर

600 करोड़ के घोटाले का आरोपी सांसद और महिलाओं पर बदनीयती रखने वाला जिलाध्यक्ष के बीच घिरे प्रदेशाध्यक्ष

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ । भाजपाई नेता अपने पुर्वजो के विचारो पर चल भाजपा को आदर्शो वाली पार्टी कहते है पर उनका आदर्श और उनकी विचारधारा किस दिशा में जा रही है ये तो वे ही जाने। पर जहां भाजपा आदर्शो के साथ सबसे बडी पार्टी कहने वाली भाजपा के जिला एवं प्रदेश स्तरीय नेता आपस में गाली-गलोच तक उतारू होकर भाजपा किस दिशा में जाकर समाज को आखिर क्या संदेश देना चाहती है ? यह सवाल आज आम जन के बीच है।

झाबुआ जिले की ही बात करे तो यंहा भाजपा और विवादों का चोली दामन का साथ हो गया है। जब भी कोई प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के नेता जिले के दौरे पर होते है, तो जिले के संगठन में मची आपसी फुट-फजीते खुल कर सामने आ जाते हैं पर इस बार जो कुछ घटा वो भाजपा के जिला संगठन के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकती है।

जिले में भाजपा संगठन में चल रही उठापटक और टांग खींचो अभियान चरम पर है, जिसकी शिकायत लगातार प्रदेश संगठन तक पहुँच रही है। हर बार जिले के नेता अपने राजनीतिक गॉड फादर के माध्यम से शिकायतो को झुठला कर बचते आ रहे, लेकिन इस बार जो कुछ हुआ उसके प्रत्यक्षदर्शी खुद भाजपा प्रदेश के अध्यक्ष वीडी शर्मा रहे है। शुक्रवार को झाबुआ जिले के दौरे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा थे जिनके सामने ही एक-दो बार नही कई बार स्थानीय नेताओं में विबाद की स्थिति बन बात गाली-गलोच तक आ गई। सबसे बड़ी चर्चा अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिहं भाभर और भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के बीच कल्याणपुरा में हुआ विवाद है, जिसके बाद जिला भाजपा की वास्तविकता प्रदेश अध्यक्ष के सामने आ गई होगी।

प्रदेश स्तरीय आदिवासी नेता कलसिहं भाबर को नहीं मिला सम्मान, सांसद और जिलाध्यक्ष मनमाने रूट से घुमाते रहे प्रदेशाध्यक्ष को

यंहा बात यह है कि एक ओर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पूरे प्रदेश में आदिवासीयो को साधने में लगे हुए है, टंट्या भील, राणापुंजा, बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नायकों को लेकर कभी गौरव यात्रा तो कभी गौरव दिवस के नाम पर राजनीति कर रहे है, लेकिन उनके नेता जिले के दौरे पर आदिवासी नेताओ को वो सम्मान नही मिल पाता। इस बार तो अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिहं भाबर जिला संगठन में चल रही खिचतान का शिकार हो गए। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के दौरे के दौरान प्रदेश स्तरीय नेता कलसिहं भाभर प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को थांदला में चल रहे खेल मेले और रंगपुरा में अजजा कार्यलय के उद्घाटन के लिए ले जाना चाहते थे, जहा कार्यकर्ताओ की अच्छि-खासी भीड अजज़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष और निर्मला भूरिया के नेतृत्व में इंतज़ार कर रही थी, लेकिन जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक ने वीडी शर्मा का रूट बदलकर कल्याणपुरा ले गए, जबकी रंगपुरा से होकर कल्याणपुरा जाया जा सकता था। जिलाध्यक्ष की उक्त करतुत से कलसिहं भाभर खासे नाराज नजर आए। खैर कलसिंह भाभर की नाराजगी कारणों से प्रदेशाध्यक्ष अनभिज्ञ नही थे इसलिए मंच से कलसिंह भाभर की नाराजगी का उल्लेख भी किया। बताया जा रहा है नाराज़ कलसिहं मंच पर बैठने की बजाए कार्यकर्ताओ के बीच जाकर बैठ गए और जिलाउपाध्यक्ष प्रवीण सुराणा के घर पहुँचते-पहुँचते मामला भारी गर्मा-गर्मी में बदल गया तथा प्रदेशाध्यक्ष के सामने ही दोनों नेताओं में भारी तू-तू मैं-मैं हो गई। भाजपाई नेताओ की चर्चा अनुसार जिलाउपाध्यक्ष के घर से सल्पहार कर के बहार निकलते ही कलसिहं भाभर ओर जिलाध्यक्ष के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि, मामला

गाली-गलौच और हाथापाई तक पहुँचने की स्थिति निर्मित हो गई, जहां नेताओ ने बीच बचाव कर मौके पर मामला शांत किया। यह सारा दृश्य भाजपा के लिए हास्यप्रत जब रहा कि उक्त गाली-गलोच व हाथापाई तक आ जाने के पूर्व ही झाबुआ में मीडिया के समक्ष भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा था कि, भाजपा का हर कार्यकर्ता सारी चिजो में गंभीरता के साथ अपने-आपको व्यवहार से लेकर स्वभाव में जो समाज चाहता है उसके अनुरूप ढलकर कार्य करता है, पर प्रदेश अध्यक्ष की बात उक्त वाक्ये को कुछ ओर ही दिशा दे गई जो भाजपा के लिए किसी कलंक से कम नही है। वही प्रदेश स्तर के आदिवासी नेता कलसिहं भाभर की उपेक्षा और अनदेखी की चर्चा भी राजनीति गलियारों में चर्चा का विषय बन गई।

अजजा प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के रात्रि विश्राम तक साथ रहे लेकिन उनके साथ रुके नही न वीडी शर्मा जिले से जाने के समय तक वापस पहुँचे। जहा पूरे प्रदेश में कलसिहं भाभर बड़े नेताओं में शुमार है, वही ग्रह जिले में स्थानीय संगठन और सांसद लगातार उनकी उपेशा कर रहे हैं। ऐसे में पूरे दौरे के दौरान प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के सामने जो कुछ घटा उसके बाद भाजपा के जिला संगठन की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

एक और 600 करोड़ का आरोप झेल रहे सांसद तो दूसरी और महिलाओं के आरोप से घिरे जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया बचाव

प्रदेशाध्यक्ष ने अपने दौरे पर जिले की मीडिया से चर्चा की जहॉ स्थिति ऐसी बनी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वीडी शर्मा के लिए एक अजीब स्थिति बन गई, उनके एक ओर 600 करोड़ के गबन के आरोपो से घिरे सांसद गुमानसिंह थे, तो दूसरी और महिलाओं के यौन शोषण से घिरे भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक थे। उम्मीद के मुताबिक मीडिया की और से दोनों ही नेताओ को लेकर सवाल दागे, तो वीडी शर्मा दोनों ही मामलो में बचाव की मुद्रा में दिखे। जिलाध्यक्ष पर महिलाओं के आरोपो को लेकर वीडी शर्मा ने पार्टी के संस्कारवान होने का हवाला देकर बचाओ करते नजर आए। वही सांसद गुमानसिंह पर लगे 600 करोड़ के घोटाले के आरोपो पर हुए सवाल पर वीडी शर्मा ने कन्नी काटते हुए साफकहा कि, आरोपी उस समय की मशनरी पर लगे है जब ये सांसद नही थे और मामला न्यायालय में है और ये न्यायालय में अपना पक्ष रखेगे। कुल मिला कर वीडी शर्मा का झाबुआ दौरा पूरी तरह से राजनीतिक गर्मा-गर्मी वाला रहा और स्थानीय संगठन के फुट-फजीते खुल कर सामने आए जिस पर प्रदेश संगठन में चर्चा होगी ये तय है।

युवा मोर्चा के आयोजन को भी किया दरकिनार

प्रदेशाध्यक्ष के पूरे दौरे पर अहम की लड़ाई देखी गई, हर कोई अपना वर्चस्व दिखाना चाह रहा था। चतुर जिलाध्यक्ष ने किसी को मौका नही दिया कि जिला संगठन की वास्तविकता प्रदेश अध्यक्ष तक पहुँच सके। नवागत युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान ने सैकड़ो कार्यकर्ताओ के साथ झाबुआ शगुन गार्डन पर स्वागत का कार्यक्रम रखा था, जहाँ युवा कार्यकर्ताओ को उम्मीद थी कि, प्रदेश अध्यक्ष संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है, यहां से भी जिलाध्यक्ष ने वीडी शर्मा को आगे जाने का दबाव बनाया, जिसके चलते युवा मोर्चा के आयोजन में वीडी शर्मा दीप प्रज्वलित कर निकल गए। युवा मोर्चा के नेता इस बात से काफी नाराज हुए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, सांसद पर भ्रष्टाचार व जिलाध्यक्ष पर लगे यौन शोषण के आरोपो के बिच घिरे, देखे क्युआर कोड स्कैन कर।

तीन दिवसीय सत्संग के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

सत्संग से होता है संस्कारों का विकास-संत असंग देव

माही की गूंज, मेघनगर।

जैन रत्न रणजीत सिंह बाफना की स्मृति में तीन दिवसीय असंग महाराज के सत्संग का समापन बुधवार देर शाम हुआ, यहां पर सत्संग के श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु भिन्न-भिन्न राज्य एवं जिलों से भी पधारे। बुधवार देर शाम को बाफना परिवार की ओर से महाप्रसादी भंडारे का भी आयोजन रखा गया। यहां लगभग 3 हजार से अधिक लोगों ने भोजन प्रसादी भंडारे का भी आनंद लिया। तीन दिवसीय सत्संग के समापन पर राष्ट्रीय संत असंग देव महाराज ने कहा कि, जो व्यक्ति कंजूस होता है और दूसरों से दुर्व्यवहार करता है, उसके घर सदैव दरिद्रता रहती है। वहीं दूसरी ओर जो व्यक्ति धर्मदान व सदैव मुस्कराता रहता है, उसके घर-परिवार में माता लक्ष्मी का वास होता है। सत्संग के समापन में बाफना ट्रस्ट मंडल द्वारा असंग महाराज सहित पूरी संत समागम टीम का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया गया। साथ ही असंग महाराज की तरफसे स्थानीय संतों का सम्मान भेंट राशि देकर किया गया। समापन अवसर पर समाजसेवी विनोद बाफना ने अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की भी प्रस्तुति दी। श्री बाफना की स्वर लहरी सुनकर श्रद्धालुओं को बहुत आनंद प्राप्त हुआ। मंच का संचालन विनोद बाफना ने किया, आभार जिनेंद्र बाफना ने माना।

भारतीय शौर्य की स्मृतियों को अक्षुण रखेगा वीर बाल दिवस - सांसद गुमानसिंह डामोर

प्रधानमंत्री की घोषणा का किया स्वागत

माही की गूंज, झाबुआ । भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण बनाए रखने के लिए हमारे पूर्वजों ने कभी मुगलों से लोहा लिया, तो कभी अंग्रेजों से जूझते रहे। फल स्वरूप देश का अस्तित्व आतताईयों के आतंकों से प्रभावित तो रहा, लेकिन कभी भी उसने पूरी तरह हार नहीं मानी। रतलाम-झाबुआ-आलीराजपुर के सांसद गुमानसिंह डामोर ने उक्त बात कहते हुए कहा है कि, हमारे ऐसे ही पराक्रमी पूर्वजों में से एक हैं गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चारों वीर सपूत। सिखों के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से ही पूज्यनीय नहीं है, इससे भी अधिक उन्हें उस बलिदान के लिए याद किया जाता है, जो उन्होंने देश और धर्म बचाने के लिए सपरिवार दिया। कौन नहीं जानता कि गुरु गोविंद सिंह शरीर रहने तक आतताई मुगल शासकों से लोहा लेते रहे। उनसे भी दो कदम आगे बढ़कर मुगल शासकों के अभिमान को चूर किया। यह बात याद रखने योग्य है कि, गुरु गोविंद सिंह के दो बहादुर पुत्र मुगलों के खिलाफ युद्ध लड़ते-लड़ते बलिदान को प्राप्त हुए। जबकि दो छोटे पुत्रों को मुगल शासकों ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। अबोध से दिखाई देने वाले इन दोनों वीर सपूतों के सामने दो विकल्प थे। पहला विकल्प धर्म परिवर्तन का था। इसे मान लेने पर उन्हें मुगल

सैनिकों से आजादी और समस्त राजसी ऐश्वर्यों की प्राप्ति हो सकती थी। जबकि दूसरा विकल्प था केवल मौत, और वह भी भयावह मौत। धर्म परिवर्तन की बात नहीं मानने पर गुरु गोविंद सिंह के दोनों साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुने जाने का प्रस्ताव था। सिंह के इन दोनों शावकों ने मृत्यु का रास्ता चुना, लेकिन अपने धर्म पर अडिग ही बने रहे। वीर बालकों के दो टूक जवाब से खिसियाए और बौखलाए मुगल शासकों ने नृशंसता की सभी सीमाएं पार कर दीं और यह दोनों सिंह के बच्चे दीवारों में जिंदा चुनवा दिए गए।

डामोर ने बताया कि, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की शौर्य गाथाओं के प्रेरक इन्हीं बलिदानी बालकों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाए जाने की घोषणा की है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि, उक्त घोषणा गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर की गई। ये वही गुरु गोविंद सिंह जी हैं, जिन्होंने सिखों को व्यक्ति के स्थान पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब को आदर्श मानने की नई और तार्किक प्रणाली स्थापित की थी। गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर की गई प्रधानमंत्री की इस घोषणा का जितना स्वागत किया जाए, कम है। इस दिवस के माध्यम से हमें भारतीय शौर्य के उस गौरवशाली इतिहास के पन्ने देखने को मिलेंगे, जो तथाकथित धर्मनिरपेक्ष शासकों के दबाव में आकर इतिहासकारों ने ठकुरसुहाती स्वभाव के चलते नीचे दबाकर रखे हुए थे।

गरीब आदिवासियों की जबरन हथिया रहे जमीन

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

दिल्ली मुंबई 8 वे हाईवे रोड जब से शुरू हुआ है गरीब किसानों एवं आदिवासियो की जमीन हथियाने का ही काम किया जा रहा है। जब रोड शुरू हुआ था, उस समय सर्वे अनुसार प्रशासन के दम पर ठेकेदारों ने गरीब आदिवासियों की जमीन पानी के भाव में हथिया ली और अब रोड बनकर तैयार होने वाला है और आसपास की बची हुई जमीन भी हथियाने में लगे हैं।

बन रहे रेस्टोरेंट प्लेटफार्म

कई गरीब आदिवासी किसान पहले ही अपनी जमीन रोड के लिए दे चुके हैं और अब रोड बनने के बाद आसपास की जमीन भी रेस्टोरेंट व प्लेटफॉर्म के लिए हथियाने की कोशिश की जा रही है, जिससे किसान एवं आदिवासी काफी आक्रोशित हो रहे हैं। किसानो की मांग है कि, हमें हमारी सिंचित जमीन के बदले अन्य स्थान पर ही सही पर सिंचित जमीन ही चाहिए ताकि हम हमारा परिवार फसल की पैदावार करके अपना घर गृहस्ती चला सके और अपना जीवन यापन कर सके।

प्रशासन के अधिकारियों ने किया सर्वे

जैसा कि रोड निकलने के पूर्व किसानों के विरोध करने पर उक्त ठेकेदार, पुलिस प्रशासन एवं अन्य अधिकारियों का सहयोग लेकर जबरन किसानों की जमीन छीन ली गई। वैसे ही अब रेस्टोरेंट के लिए भी प्रशासन का सहयोग ले रहे हैं जिसमें पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार, एसडीएम के साथ ही पूरा पुलिस प्रशासन सहित जब सर्वे के लिए ग्राम चोखवाड़ा में आए तब उनको देखकर किसान फिर हक्क-बक्के रह गए। खेतों की मेड़ पर अचानक 8-10 गाड़ी खड़ी देखकर आसपास के सारे किसान एकत्रित हो गए, किसानों के आने पर उनके समक्ष एसडीएम ने जमीन की बात रखी, जिसपर किसान भड़क गए।

किसानों का कहना कि, यहां से 1 किलोमीटर आगे पूरा जंगल समतल पड़ा है वहां पर बना लो, हमारी बची-कुची जमीन हम से मत छीनो, सरकार से मिलने वाले मुआवजे से हमें जमीन दूसरी नहीं मिलेगी, हमारी सिंचित जमीन है इसका मूल्य भी उचित नहीं मिलेगा। जिस पर अधिकारियों ने कहा कि, हम लोग सर्वे के लिए आए हैं आपकी बात सुनने के लिए आए हैं, आपने जो कहा है जमीन के बदले जमीन, हम लोग कलेक्टर साहब को बताएंगे और आपकी बात पर अमल किया जाएगा।

अभी किसानों के खेत में रबि फसल के साथ जमीन लहलहा रही है और ऐसे में जमीन को हथियाना कहां का इंसाफ है? यह जमीन भी अगर छीन गई तो आखिरकार थोड़ा बहुत मुआवजा लेकर किसान कहां जाएंगे। किसानों का कहना है कि, जमीन के बदले जमीन नहीं मिली तो हमें आत्महत्या के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं है।

नुक्कड़ नाटक के साथ किया जागरूक

माही की गूंज, करवड़।

कृष्ण भगवान संकुल अंतर्गत टीआरआईएफ संस्था के सहयोग से करवड़ पंचायत में युवा कंपास हब द्वारा नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया, जिसमे नुक्कड नाटक के युवाओं द्वारा रोजगार, पंचायत, शिक्षा, और स्वास्थ विभिन्न जागरूकता के संदेश प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में संकुल पदाधिकारी संकुल अध्यक्ष श्रीमती जमुना कटारा के साथ उनकी समस्त संकुल की टीम ने सहयोग किया जिससे ग्रामीणों और रहवासियों में जागरूकता के लिए प्रेरित किया गया। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीणों को जागरूक करने में काफी मददगार साबित हो रहे है जिससे न केवल मनोरंजन, जागरूकता का संदेश अच्छी तरह से पहुंचाया जा रहा है।

पैर पसारने लगा कोरोना, 3 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद भी पंचायत प्रशासन मौन

माही की गूंज, झकनावदा।

पूरे देश भर में बढ़ते कोरोना एवं ओमिक्रॉन संक्रमण तेजी से फैल रहा है, इसपर सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण न फैलने हेतु बार-बार निर्देश जारी किए जा रहे है। उसी क्रम में जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जिले भर में समस्त प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए कि, आप अपने-अपने शहर, ब्लॉक, तहसील, नगर व गांव में आम लोगों व राहगीरों को मास्क पहनने हेतु एवं सूचना या लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रेरित करें। ग्राम पंचायतों द्वारा भी लाउडस्पीकर के माध्यम से कोरोना से बचाव के उपाय एवं मास्क का अनिवार्य रूप से लगाने की भी डोंडी पिटाई गई, लेकिन इसका ग्रामवासी व आसपास के लोग किसी प्रकार का पालन नहीं करते नजर आ रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर लोग बिना मास्क के घूमते नजर आ रहे हैं।

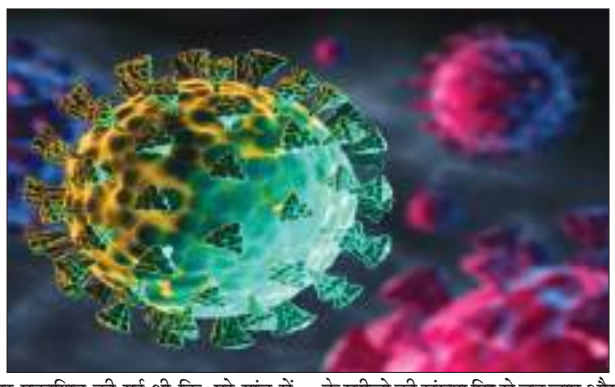

आपको बता दें कि, पिछली बार भी कोरोना काल में पंचायत प्रशासन की उदासीनता सामने देखी जा चुकी है। समाचार के माध्यम से खबर प्रकाशित की गई थी कि, पूरे गांव में कहीं भी सैनिटाइजर का छिड़काव नहीं हुआ है और खबर लगते ही सरपंच हाथ में सैनिटाइजर लेकर छिड़काव करते नजर आए थे, ÷जब प्यास लगे तब कुआं खोदो÷ यह कहावत पूर्व में देखने को मिली थी। इस बार भी कहीं ऐसा ना हो कि जिले में कोविड-19 के मरीजो की संख्या फिर से बढ़ जाए और जिला प्रशासन व ग्राम पंचायत की उदासीनता के चलते फिर एक बार इस संक्रमण को कवर नाकर पाए और झकनावदा में कोरोना की संख्या बड़ न जाए।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा को बहुत ही सख्त कदम उठाना पड़ेंगे, पंचायत, प्रशासन को अपने दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करवाना पड़ेगा, तभी जाकर इस कोरोना व ओमिक्रोन वायरस से लड़ सकते हैं। सार्वजनिक नजर आ रहे हैं कि, बैंक में अधिक भीड़ होने के कारण ही कोरोना का पहला केस निकला था, अब यह देखना है कि, जिला प्रशासन किस तरह कड़ाई से पंचायत-प्रशासन को आदेशित कर गांव में संक्रमण को फैलने से रोकेगा, मंगलवार को झकनावदा के आसपास क्षेत्र से 1 नाड़ातोड़, 1 टोडी, और 1 धतुरिया से कोरोना पॉजिटिव कैस निकल चुके हैं, बीएमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा ने इसकी पुष्टि की है। जिसके बाद नगर सहित आसपास के क्षेत्र में कोरोना संक्रमण को लेकर एक बार फिर से भय का माहौल बन गया है।

भाजपई, कांग्रेस में हुए शामिल

माही की गूंज, थांदला।

ग्राम पंचायत मछली माता में आने वाला ग्राम सूतरेटी में बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगा है, बीजेपी के 100 से अधिक कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी के युवा सरपंच जयसिंह वसुनिया के अनेक प्रयासों से बीजेपी छोड़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए भाजपा कार्यकर्ता को जयसिंह वसुनिया ने कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर कांग्रेस पार्टी की सदस्य दिलवाई। रमेश डामोर ने कहां कि, 15 सालों से बीजेपी की सरकार होते हुए भी हमारा कोई काम नहीं हुआ, हमारे ग्राम से करीब-करीब 300 से अधिक वोट हम बीजेपी को 15 सालों से देते आ रहे थे, बीजेपी ने आज तक हमारा कोई कार्य नहीं किया इसलिए हमने कांग्रेस पार्टी के सरपंच से बात कर हम कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। सभी साथियों ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर क्षेत्र के विधायक वीरसिंह भूरिया, जनपद एवं ब्लॉकअध्यक्ष गेंदाल डामोर, जिला पंचायत अध्यक्ष शांति डामोर, युवा नेता जसवंत सिंह भाभर, यूथ कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष राजेश डामोर, आईटी सेल विधानसभा अध्यक्ष रुसमाल मईडा, एवं समस्त कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

फर्जी पत्रकार बनकर वसुली मामले में पुलिस अब तक सरगना से दूर, किसके दबाव में है पुलिस?

एसडीओपी ने कहा जल्द करेंगे कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद।

पिछले दिनों पेटलावद पुलिस के हत्थे दो ऐसे गिरोह चढ़े है जो पत्रकारिता के पेशे को बदनाम कर उसकी आड़ में अवैध वसूली करते हैं, पहले अनाज व्यापारियों की दुकान के वीडियो बनाकर उनके साथ ब्लैकमेलिंग कर वसुली, तो फिर सीएम हेल्पलाइन पर थोक बन्द अलग-अलग जिलों की पंचायतो की शिकायत कर उन शिकायतो को बन्द करवाने के नाम पर वसुली करने वाले जेल भेजे जा चुके हैं। दोनों ही मामलो में पुलिस ने तीन-तीन आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया। दोनों ही मामलो में जिन फर्जी पत्रकारो के नाम आए थे पुलिस ने उनको रातम रात उनके घर से उठा लिया, जिसमे तीन झाबुआ जिले के तो तीन खरगोन जिले के थे। लेकिन पुलिस व्यापारियों के वीडियो बनाकर बेलक्मिलिंग करने वाले गिरोह के सरगना को जो कि कुक्षी, धार जिले का बताया जा रहा है और अपना नाम मुकेश मकवाना बताता है। अब तक पुलिस की जद से बहार है या यूं कहें कि, पुलिस उसे पकड़ना नही चाहती जो कि खुले आम पेटलावद एसडीओपी सौनु डावर के नाम का उपयोग कर व्यापारियों को डराकर वसुली कर के गया। मामले को गूंज द्वारा प्रमुखता से उठाने के बाद भी अब तक पुलिस ने मुकेश मकवाना को गिरफ्तार नही किया, जिसके पीछे राजनीतिक दबाव होना बताया जा रहा है। पहले पुलिस द्वारा मुकेश मकवाना की प्रेस आईडी के दुरुपयोग होने की जानकारी देकर उसे बचाया गया, लेकिन एसडीओपी सौनु डावर को इस मामले में स्थानीय पत्रकार द्वारा की गई चर्चा की रिकॉर्डिंग सुनाई गई, जिसमे मुकेश मकवाना अपना परिचय देते हुए एसडीओपी का नाम और पद बता रहा है।

एसडीओपी का कहना है कि, हम जल्द ही मुकेश मकवाना पर भी कार्रवाई करेगे लेकिन अभी हमे दूसरे प्रकरणो में व्यस्थता है। पेटलावद पुलिस के पास समय नही है या वो निकालना नही चाहती, लेकिन ये साफ है कि, इस वसूली मामले में जितनी तेजी एसडीओपी के नाम के उपयोग के कारणों से दिखाई गई उसी पुलिस अधिकारी का नाम लेने वाले मुख्य आरोपी पर पुलिस क्यो मेहरबान हुई ये समझ से परे है।

कौशल एवं ग्रामीण रोजगार मेला हुआ संपन्न

माही की गूंज, थांदला।

जिला प्रशासन द्वारा थांदला जनपद पंचायत प्रांगण में कौशल एवं ग्रामीण रोजगार मेला हुआ संपन्न जिसमें 134 युवक-युवतियों को रोजगार हेतु चयनित किया गया।

जानकारी देते हुए प्रबंधक रमेशचंद मेवाड़ा ने बताया कि, कौशल रोजगार मेले हेतु 168 बेरोजगार युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 134 का चयन किया गया जिन्हें मिला ऑफर लेटर प्रदान किए गए। वही जनपद कार्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक एमजी रोड शाखा द्वारा स्वीकृत ऋण व चेक प्रदान किए गए, शाखा प्रबंधक रामजी राय की उपस्थिति में एसडीएम अनिल भाना एवं सीओ रामचंद्र आलू के कर कमलों से हितेश यादव, श्रीमती फरजाना और दीवान गामड को ऋण स्वीकृति प्रमाण-पत्र दिया गया। कार्यक्रम में पांच कंपनियों ने भाग लिया, प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर, कंजेक्ट फर्टिलाइजर बीपीओ कॉल सेंटर बड़ौदा, आरसीटी कंपनी आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम में जनपद सीओ रामचंद्र आलू, जिला रोजगार अधिकारी एवं गरवाल एनआईएमएम से जिला परियोजना प्रबंधक देवेंद्र श्रीवास्तव, डीएम कौशल रतन सिंह बामनिया, एनआरएलएम मिशन गौरव के स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

किसानों से कलेक्टर हुए रूबरू, सर्वे करवाकर तत्काल मुआवजा दिलवाने के लिए किया आश्वस्त

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

गत दिनों पेटलावद क्षेत्र में तेज बारिस के साथ ओलावृष्टि के कारण कई कृषकों के खडी फसल को नुकसान पहुचा था। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ग्राम मठमठ एवं कसारबर्डी पहुंचे, यहां पर भवरसिंह बंजारा, कैशल, मदन, राजू गिरधानी, श्रीमती जसोदा, सजन आदि किसानों से रूबरू होकर चर्चा की एवं किसानों की फसलों का मुआईना भी किया। किसानों को रूबरू चर्चा में बताया कि, आपकी जो ओलावृष्टि से फसल की हानि हुई है उसका सर्वे करने के निर्देश जारी किए जा चुके है, आपको आपकी फसल का मुआवजा दिया जाएगा। इस दौरान किसानों ने बताया कि, गेहूँ, मटर, लहसुन, चने एवं सब्जी की फसल की बडी हानि हुई है। कलेक्टर ने कंहा फसल का आकलन कर आपको उचित मुआवजा दिए जाने के लिए हम कटीबद्ध है। हमारी पुरी टीम सर्वे के आधार पर मुआवजे का वितरण करेगी। इस भ्रमण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, तहसीलदार जगदीश वर्मा, मुख्य कार्यापालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीव्यास, नायब तहसीलदार सुश्री परवीन कुरैशी, स्थानीय पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिव, जीआरएस उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा नव निर्मित भवन उप तहसील सांरगी का भी निरीक्षण किया गया।

महिलाओं को बनाया जा रहा है आत्मनिर्भर

माही की गूंज, झकनावदा।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम झकनावदा उज्जवल संकुल संगठन में समूह की महिलाओं के परिवार की आजीविका के लिए महिलाओं को सिलाई सिखाई जा रही है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने ग्रामों में सिलाई का काम कर रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। इस प्रशिक्षण में सहायक ब्लॉक प्रबंधक रोशन सिंगार के मार्गदर्शन में यह कार्य चल रहा है जिसमें ग्रामीणों को दूध डेयरी और पशु क्रेडिट लोन भी समूह की महिलाओं को विभाग के सहयोग से दिया जा रहा है, जिससे हमारी महिलाएं सशक्त बने और देश के प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो।

कुछ दिनों की निज़ात के बाद मुख्य चौराहे पर फिर बनी जाम की स्थिति

– इस तरह दिन में कई बार बन जाती है मुख्य चौराहे पर जाम की स्थिति।

– नए सब्जी मार्केट में कब्जा कर तंबू गाड़कर पुराने स्थान पर लौट गए सब्जी और फ्रूट व्यापारी।

– पशु चिकित्सालय की भूमि बिना उपयोग के ही अतिक्रमण हो गई।

माही की गूंज, बामनिया/पेटलावद।

चुनाव भी बड़ी अजीब चीज है, वो जीत के लिए क्या-क्या करवा देती हैं। जो विषय कुछ दिन पहले पंचायत का मुख्य मुद्दा बनकर मुख्यमंत्री तक पहुँच गया था। जिसके बाद भी ग्राम पंचायत किसी प्रकार की कोई रियायत नगर हीत में मुख्य चौराहे पर लगे जाम से मुक्ति दिलाने के लिए अस्थाई सब्जी और फ्रूट व्यापारियों को नही देना चाहती थी। चुनाव की आहट आते ही वोट की राजनीति करने के लिए अपने मन को परिवर्तित कर नगर के मुख्य चौराहे को उसी ट्रैफिक जाम की नरकीय स्थिति में पहुँचा दिया। अब जब चुनाव फिर से टल गए लोगो को उम्मीद हैं कुछ दिन के लिए ही सही चौराहे से जाम की स्थिति से एक बार फिर निजाद मिलेगी।

पशु चिकित्सालय की जमीन पर अतिक्रमण कर चौराहे पर लोटे सब्जी और फ्रुट विक्रेता

ग्राम पंचायत बामनिया के मुख्य चौराहे पर आप फिर से उसी ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ सकते है, जिससे कुछ दिन के लिए निजाद मिली थी। लगभग 6 से 8 माह पूर्व नगर के मुख्य चौराहे पर आए दिन हो रहे ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए ग्राम पंचायत ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर अस्थाई सब्जी मार्केट रतलाम रोड स्थित पशु चिकित्सालय की भूमि पर बना दिया। जिसके लिए ग्राम पंचायत ने लगभग दो लाख की राशि खर्च कर दी। भारी विवादों के बीच एक अस्थायी सब्जी बाजार बनकर सज गया था, शिकायतो के बाद भी सब्जी मार्केट का स्थान परिवर्तन नही हुआ और कपड़ा, मनिहारी की दुकानें चौराहे से दूर नारेला रोड पर वापस भी आ गई थी। चौराहे की ट्रैफिक व्यवस्था काफी हद तक नियंत्रित हो चुकी थी, जिसके लिए ग्राम पंचायत को भारी विरोध झेलना पड़ रहा था। जिसका चुनाव में बड़ा नुकसान होता देख ग्राम पंचायत ने चुनाव आने से ठीक पहले अपने कदम ऐसे पीछे खींचे की एक-एक कर सभी सब्जी और फरूट विक्रेता अपने पुराने स्थान मुख्य चौराहे सहित माता जी मन्दिर, खवासा रोड, पेटलावद रोड पर आकर जम गए और जहा ग्राम पंचायत ने जगह दी थी वहां अपने-अपने तंबू तान कर पशु चिकित्सालय की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया, यहाँ एक्का-दुक्का लोगों को छोड़ कर अब कोई भी दुकान नही लगाता।

ग्राम पंचायत के इशारे पर लट्ठ बजाने वाली पुलिस भी गायब

जैसे ही सब्जी और फ्रुट विक्रेता अपने पुराने स्थान पर पहुँचे, नगर के मुख्य चौराहे की स्थिति फिर से बिगड़ गई। आए दिन तो ठीक दिन में कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो जाती हैं। रतलाम-झाबुआ मुख्य मार्ग होने और 8 लेन के कार्य के कारण इस मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव बना हुआ ही रहता है। कुछ दिन पूर्व ही पुलिस, ग्राम पंचायत के एक इशारे पर मुख्य चौराहे पर तो ठीक नगर में घूमने वाली अस्थाई दुकानों पर लट्ठ बजाती थी, वही पुलिस आज नगर के मुख्य चौराहे पर ट्रैफिक की स्थिति से निपटने के लिए तैनात नही दिखती। नगरवासियों का कहना है कि, नगर के मुख्य चौराहे पर जाम की स्थिति के कारण हमेशा बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती हैं।

मासुम की मौत के बाद पेटलावद में हटाई गई दुकानें

कुछ दिनों पूर्व पेटलावद नगर की भी स्थिति कुछ ऐसी ही थी, लेकिन एक सड़क दुर्घटना में हुई एक बच्ची की मौत के बाद सड़क के दोनों और लगी अस्थाई सभी दुकानों को हटा दिया। हालांकि यहां मुख्य मार्ग और बामनिया रोड, रायपुरिया रोड़ पर सड़क काफी चौड़ी है, इसके बाद भी एक की मौत ने कुछ दिनों के लिए ही सही लेकिन दुकानें हटाने पर प्रशासन को मजबूर किया। वही बामनिया की बात की जाए तो यहां मुख्य चौराहे पर रतलाम रोड, खवासा रोड, नारेला रोड से आने-जाने के लिए बमुश्किल एक बड़े वाहन के निकलने की जगह है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ भी प्रशासन को किसी की मौत या बड़ी दुर्घटना का इंतजार है, जिसके बाद शायद जवाबदारो की उदासीनता खत्म होगी। मामले में पंचायत से लेकर प्रशासन के पास एक मात्र रूखा सा जवाब है कि, कोशिश करेंगे कि सब्जी मार्केट को वापस वही पहुँचाया जाए जहा शिफ्ट किया था, लेकिन पहल कौन करेगा ये तय नही है। ये तय है जिस दिन मौत का तांडव या कोई बड़ी क्षति होगी जब न केवल अस्थायी बल्कि स्थाई अतिक्रमण भी हट जाएगा।

संपादकीय

कर्ज के जाल में फंसकर आर्थिकी स्थिति हुई चौपट

महंगाई के चरम और खाली होते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच श्रीलंका की हालात इतनी खराब हो गई है कि, उसके पास आज विदेशी कर्ज चुकाने तक के लिए संसाधन नहीं हैं। महंगाई का यह आलम है कि, लोग सौ-सौ ग्राम दूध खरीद रहे हैं। सौ ग्राम हरी मिर्च 70 रुपए की है और आलू दो सौ रुपए किलो तक मुश्किल से मिल रहा है। पिछले दिनों खबर आई कि श्रीलंका, ईरान को कच्चे तेल का विदेशी मुद्रा में भुगतान न कर पाने पर बदले में चायपत्ती भेजेगा। अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने वित्तीय स्थिति खराब होने पर श्रीलंका की रेटिंग इतनी गिरा दी है, जो दिवालिया

होने से पहले की अवस्था है। दरअसल, श्रीलंका की हालत खस्ता होने की तात्कालिक वजह तो कोरोना संकट से उपजी परिस्थितियां हैं। मुख्यतः पर्यटन पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले श्रीलंका में कोरोना संकट के चलते पर्यटन उद्योग ठप है। अर्थव्यवस्था में गिरावट की एक बड़ी वजह सत्ताधीशों का कुप्रबंधन भी है और लंबा चला गृहयुद्ध भी। लेकिन जब से चीन से दोस्ती करने वाले सत्ताधीशों ने कर्ज लेना शुरू किया तो फिर देश निरंतर कर्ज के जाल में उलझता गया। चीन के सहयोग से कई भारी-भरकम विकास परियोजनाएं श्रीलंका में शुरू की गईं। उनसे आय तो नहीं हो पाई, लेकिन श्रीलंका चीन के कर्ज-जाल में फंसता चला गया।

पश्चिमी अर्थशास्त्री कहते भी हैं कि, चीन कर्ज-जाल का प्रयोग दूसरे देशों पर बढ़त बनाने के लिए करता आया है। जब छोटे देश कर्ज नहीं चुका पाते तो चीन उनकी संपत्तियों पर अधिकार कर लेता है। श्रीलंका में हम्बनटोटा में एक बड़े बंदरगाह के निर्माण की योजना चीनी ऋण व निर्माण कंपनियों के जरिए की गई। अरबों डॉलर की यह परियोजना आर्थिक संकट के चलते अधर में लटक गई। बाद में नया ऋण देकर चीनी सरकारी कंपनियों ने इस बंदरगाह को 99 वर्ष की लीज पर सत्तर फीसदी हिस्सेदारी के साथ अधिगृहीत कर लिया।

यूं तो बांग्लादेश को छोड़कर दक्षिण एशिया के तमाम मुल्क ऐसे ही आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। भले ही देश के भीतर अर्थव्यवस्था किसी तरह चल रही हो, मगर विदेशी कर्ज चुकाने का संकट बना हुआ है। पिछले दिनों पाकिस्तान के फेडरल ब्यूरो ऑफरेवेन्यू के पूर्व चेयरमैन सैयद शब्बर जैदी ने कहा था, 'पाक के चालू खाते और राजकोषीय घाटे को देखें तो यह दिवालिया होने से जुड़ने जैसी स्थिति है। सरकार का यह दावा झूठ है कि सब कुछ ठीकठाक है।' दरअसल, जब कोई देश, विदेशी कर्ज चुकाने की स्थिति में नहीं होता तो डिफॉल्टर घोषित हो जाता है जो कालांतर दिवालिया होने की तरफबढ़ने वाली स्थितियां पैदा करता है। बताते हैं कि, बीते वर्ष नवंबर में श्रीलंका के पास विदेशी भुगतान के लिए महज तीन हफ्ते के लिए डॉलर बचे थे। ऐसे संकट से भारत भी वर्ष 1991 में गुजरा था तब विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब डॉलर से कम बचा था। तब देश ने सोना गिरवी रखकर स्थिति को संभाला था। दरअसल, श्रीलंका को इस वर्ष साढ़े चार अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। यदि वह नहीं चुका पाता है तो उसे डिफॉल्टर घोषित कर दिया जाएगा। श्रीलंका का रुपया बेहद दबाव में है और उसकी क्रेडिट रेटिंग लगातर गिर रही है, जिसके चलते उसे नया कर्ज मिलना मुश्किल हो जाएगा। यूं तो दुनिया के तमाम देशों पर कर्ज होता है, लेकिन सवाल है कि, आपकी साख कैसी है और आप कर्ज लौटाने की स्थिति में किस हद तक हैं। वैसे श्रीलंका के सामने विदेशी कर्ज का संकट तो है, लेकिन उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था ऊंची महंगाई दर के बावजूद दिवालिया नहीं है। उसे घरेलू राजस्व मिल रहा है और लोगों का देशीय मुद्रा पर विश्वास बना हुआ है। उसकी जीडीपी में टैक्स से मिलने वाले राजस्व की भूमिका नौ फीसदी बनी हुई है। यद्यपि यह अब तक सबसे न्यूनतम दर है। लेकिन विदेशी मुद्रा के संकट से श्रीलंका का विदेशी कारोबार थम चुका है, जिसकी एक वजह श्रीलंका में डॉलर की कीमत दो सौ रुपए से अधिक होना है जो कि आज भी ब्लैक में मिल रहा है।

कोविड काल में कोरोना गाईड लाइन के साथ चुनाव घोषणा

देश के हर कोने से फिर से कोरोना बढ़ने की खबर आ रही है, इस कोविड काल में मुख्य चुनाव आयुक्त सुषोल चंद्रा ने कोविड गाईडलाइन पालन के साथ पंजाब, मणिपुर, गोवा, उतराखंड एवं उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव 7 चरणों में होने की घोषणा कर दी। जहां उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधान सभा सीटों में से 14 जनवरी नामांकन के साथ 10 फरवरी को 58 सीटों के लिये प्रथम चरण, 21 जनवरी को नामांकन के साथ 55 सीटों के लिये 14 फरवरी को दूसरे चरण, 25 जनवरी को नामांकन के साथ 59 सीटों के लिये 20 फरवरी को तीसरे चरण, 27 जनवरी नामांकन के साथ 60 सीटों के लिये 23 फरवरी को चौथे चरण, 1 फरवरी नामांकन के साथ 60 सीटों के लिये 27 फरवरी को पांचवें चरण, 4 फरवरी नामांकन के साथ 57 सीटों के लिये 3 मार्च को छठे चरण एवं 10 फरवरी नामांकन के साथ 54 सीटों के लिये 7 मार्च को सातवें चरण तथा मणिपुर राज्य की 60 सीटों के लिये 27 फरवरी , 3 मार्च को दो चरणों में, उतराखंड की 70, पंजाब की 117 एवं गोवा की 40 सीटों के लिये 14 फरवरी को चुनाव होने की घोषणा की। इस प्रक्रिया में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कोविड काल को देखते हुये पहली बार 14 जनवरी तक चुनाव रैली, पद यात्रा, रथ यात्रा, साइकिल यात्रा, सड़क,नुक्कड़ आदि पर रैली आयोजन करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने एवं चुनाव उपरान्त विजय जुलूस पर पाबंदी के साथ 15 जनवरी को फिर से समीक्षा किये जाने की बात करते हुये हर एक से चुनाव दौरान कोरोना गाईडलाइन पालन के साथ डिजिटल चुनाव प्रचार करने की सलाह दी। चुनाव दौरान कोरोना का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिये चुनाव आयुक्त ने सभी पोलिंग बुथों को सैनेटाइज करने, डबल वैक्सीनेट कर्मचरियों को बुस्टर डोज लगाने के साथ चुनाव डयूटी पर लगाने एवं हर बुथ पर माक्स, ग्लॉब्स, सैनेटाइजर उपलबध कराने की व्यवस्था किये जाने की बात की। साथ ही कोरोना संक्रमितों के लिये पोस्टल बैलेट से मतदान में भाग लेने की पहली बार व्यवस्था की जा रही है। इस तरह चुनाव आयुक्त ने कोविड काल में चुनाव दौरान कोरोना गाइड लाइन की चर्चा कर जागरूकता का परिचय देते हुये चुनाव घोषणा का शखनाद किया। जिसका सभी राजनीतिक दलों ने स्वागत किया।

कोविड काल में चुनाव घोषणा का स्वागत करते हुए कुछ ने इस काल में चुनाव टालने की सलाह भी दी। बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव आचार संहिता का पालन करने की वकालत करते हुये चुनाव घोषणा का स्वागत किया। सपा प्रमुख अखिलेष यादव ने ने चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया की भागीदारी सभी राजनीतिक दलों के लिये एक सा रखे जाने की बात करते हुये चुनाव घोषणा का स्वागत किया। उ.प्र. के मुख्यमंत्री ने चुनाव को लोकतंत्र उत्सव बताते हुये चुनाव दौरान कोरोना गाईडलाइन पालन के साथ चुनाव आयोग को हर तरह से सहयोग करने की बात की। पूरे चुनाव दौरान रैली, पदयात्रा, आम जन सभा पर रोक लगाये जाने की भी मांग चुनाव आयोग से की गई।

डॉ. भरत मिश्र प्राची

समय पर चुनाव हो, यहीं लोकतंत्र है। चुनाव कोविड काल में होने जा रहा है , चिंताजनक अवश्य है । पर यदि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग की सलाह पर कोरोना गाइड पालना के साथ चुनावी प्रक्रिया में सहभागिता निभाएं तो लोकतंत्र का यह उत्सव सही ढंग से कोरोना का प्रतिकूल प्रभाव पड़े बिना सम्पन्न हो सकता है। इस दिषा में किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को कोविड काल में चुनाव आयोग की मार्गदर्षिता में कोरोना गाइड की पालना के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए।

चूक का सच

सिद्धार्थ शंकर

पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। केस की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट की ओर से जो कारण बताओ नोटिस डीजी और पंजाब के चीफ सेक्रेटरी को भेजा गया था। अब तक केंद्र सरकार की ओर से तय समिति की ओर से कोई सुनवाई नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि यह बात सही है कि, सुरक्षा में चूक हुई है। खुद पंजाब सरकार ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन सवाल यह है कि यदि जांच कमेटी गठत की जाए तो वह क्या करेगी। बता दें कि 5 जनवरी को प्रधानमंत्री का काफिला 15 से 20 मिनट तक इसलिए रुका रहा कि किसान आंदोलनकारियों ने रास्ता रोक रखा था। आखिरकार उन्हें वापस लौटना पड़ा। पंजाब के फिरोजपुर में उनका तय कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। यह निःसंदेह प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक है। हालांकि प्रधानमंत्री के उस सड़क से होकर गुजरने की सूचना पंजाब पुलिस को पहले ही दे दी गई थी, फिर भी अगर किसान आंदोलनकारियों को वहां से नहीं हटाया जा सका, तो इससे पुलिस की भारी लापरवाही जाहिर होती है। हुआ यह था कि प्रधानमंत्री को बठिंडा से फिरोजपुर के हुसैनीवाला राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था। यह यात्रा पहले उन्हें हेलीकॉप्टर से करनी थी, मगर मौसम खराब होने और दृश्यता कम होने के कारण हेलीकॉप्टर के बजाय उन्हें सड़क मार्ग से ले जाने का आकस्मिक कार्यक्रम तय कर दिया गया। उन्हें बठिंडा से फिरोजपुर तक पहुंचने में दो घंटे लगने थे। इसके बारे में पंजाब पुलिस को सूचित कर दिया गया। यों पहले से वहां की पुलिस को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की जानकारी दे दी गई थी, जिसके अनुसार उसे सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था रखनी थी, मगर वह नहीं की गई। आमतौर पर प्रधानमंत्री के दौरों के वक्त पहले से सड़कों के किनारे पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं। इसलिए इस घटना को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस घटना को भाजपा साजिश करार दे रही है। खुद प्रधानमंत्री ने भी पंजाब के मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लेते हुए संदेश लिखा। यह समझ से परे

है कि पंजाब पुलिस और खुफिया विभाग को उस रास्ते की स्थिति की जानकारी कैसे नहीं थी, जिससे होकर प्रधानमंत्री का काफिला गुजरना था। अगर उस सड़क पर किसान पहले से धरना दे रहे थे, तो उन्हें हटाया क्यों नहीं गया। क्या उन्हें वहां से हटाना इतना मुश्किल काम था। अगर मुश्किल काम था, तो प्रधानमंत्री के काफिले की सुरक्षा संभाल रहे कर्मियों को इसकी सूचना समय रहते क्यों नहीं दी गई, ताकि दूसरा कोई सुरक्षित रास्ता चुना जा सके। अगर किसान वहां पहले से मौजूद नहीं थे, तो फिर उन्हें अचानक इसकी सूचना कैसे मिल गई कि प्रधानमंत्री उधर से होकर गुजरने वाले हैं और वे इतने कम समय में इतनी बड़ी तादाद में जमा कैसे हो गए। पंजाब पुलिस का किसान आंदोलनकारियों के प्रति नरम रवैया समझ में आता है, मगर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ताक पर रख यह नरमी बरतना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काफी सख्त नियम-कायदे हैं। किसी राज्य में बेशक किसी भी दल की सरकार हो, पर वह प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरत सकती। हालांकि प्रधानमंत्री के सुरक्षा घेरे में शामिल अधिकारियों को पल-पल की सूचनाएं मिलती रहती हैं और वे अपने दम पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त होते हैं, पर वे भी बिना राज्य पुलिस की मदद के आगे नहीं बढ़ सकते। इस मामले में सरकारों के दलगत या वैचारिक आग्रह आड़े नहीं आने चाहिए। इसलिए यह ज्यादा गंभीर मामला माना जा रहा है कि खुफिया सूचनाएं कैसे प्रधानमंत्री के सुरक्षा दस्ते को ठीक से नहीं पहुंचाई जा पाईं, जिससे यह व्यवधान पैदा हो गया। बेशक किसानों को अपनी आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है और अब तक उनके आंदोलन शांतिपूर्ण ही रहे हैं, पर इस आधार पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज स्वामी विवेकानंद

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज स्वामी विवेकानंद

भारतीय नवजागरण के अग्रदूत, भारतीय सभ्यता संस्कृति धर्म और अध्यात्म की अनमोल विरासत को विश्व पटल पर सम्मानित करने वाले महान चिंतक स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के सर्वाधिक प्रेरक पुंज और अनुकरणीय आदर्श हैं। 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता् में जन्में विवेकानंद जिनका बचपन का नाम नरेन्द्र नाथ था, जिन्हें विश्व धर्म सम्मेलन में सम्मिलित होने के पूर्व खेतड़ी के नरेश ने विवेकानंद का नाम दिया था। उन्होंने सनातन हिन्दू धर्म के सच्चे व वास्तविक स्वरूप को उसकी पवित्रता और शुचिता को दुनिया के सामने प्रखरता के साथ प्रस्तत किया और इस विश्वास को सुदृढ़ बनाया कि, आत्मोन्नति और कल्याण की दृष्टि से सनातन हिन्दु धर्म से बढ़कर धार्मिक सिद्धांत विश्व में कहीं भी अस्तितत्व में नहीं है। वे ईश्वर से साक्षात्कार करने की तीव्र जिज्ञासा में दक्षिणेश्वर मंदिर पहुंचे जहां काली माता से उन्होंने अपने लिए विवेक, वैराग्य और भक्ति का वरदान मांगा। जनसेवा के लिए सन्यास धारण किया। देश की दशा का अनुभव कर देशोद्धार का संकल्प लिया।

स्वामी विवेकानंद की भारत की युवा पीढ़ी में गहन आस्था थी और वे स्वयं भी युवा थे उन्होंने उठो जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए के उदघोष से राष्ट्र की युवा पीढ़ी में नई चेतना, नई शक्ति, नई ऊर्जा और अद्भुत आत्मविश्वास का संचार किया। मेरी मान्यता है कि, निःसंदेह युवा शक्ति हमारे राष्ट्र की समाज की अमूल्य संपदा है। वह हमारे राष्ट्र का प्राणतत्व भी है। युवा ही हमारी गति, स्फूर्ति, चेतना, प्रज्ञा और राष्ट?का ओज है। वह हमारे देश के भावी कर्णधार और देश की आशाओं, आकांक्षाओं के सुमन है। युवा शक्ति क्या है? कठोपनिषद में उत्तर दिया है ÷जिनकी ऊर्जा अक्षुण्ण है, जिनका यश अक्षय है, जिनका जीवन अंतहीन है, जिनका पराक्रम अपराजेय है, जिनकी आस्था अडिग है और संकल्प अटल है वही युवा है। जो अपनी शक्ति सामर्थ्य और साहस से पराक्रम और प्रताप से राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने का दायित्व सहर्ष स्वीकारता है वही युवा है। युवा होने का अर्थ सिर्फउम्र से ही नहीं होता वरन उसके स्वतंत्र हौसले और चिंतन से भी होता है। यदि 25 वर्ष का युवा अपनी आंखों में महत्वाकांक्षाओं के सुनहरे सपने नहीं देखता, उसके हाथों में आसमान को छूने का हौसला नहीं होता, उसके पैरों में संपूर्ण धरा को नापने का उत्साह नहीं होता, अनीति, अनाचार, अन्याय और शोषण के विरुद्ध उसकी धमनियों और शिराओं में बगावत का लहू नहीं उबलता, जो पीड़ितों के दुख दर्द को देखकर व्यथित नहीं होता बेचैन नहीं होता वह कैसे युवा हो सकता है?

स्वामी जी भली भांति जानते थे कि, हमारे शक्तिमान बुद्धिमान पवित्र और निस्वार्थ युवा ही भारत के खोए हुए आत्म सम्मान और आत्म गौरव को पुनर्स्थापित कर सकते हैं। युवा ही भारत और संपूर्ण संसार का उत्थान कर सकते हैं। इस हेतु उन्होंने अपने उपदेशों और प्रेरणादायी उद्बोधनों में राष्ट्र की तरुणाई को युवा पीढ़ी को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हम सभी लोगों को इस समय कठिन परिश्रम करना होगा। अब सोने का समय नहीं है। हमारे कार्यों पर भारत का भविष्य निर्भर है। भारत माता तत्परता से प्रतीक्षा कर रही है। वह केवल सो रही है उसे जगाइए और पहले की अपेक्षा और भी गौरव मंडित और शक्तिशाली बनाकर भक्ति भाव से उसके चिरंतन सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर दीजिए। स्वामी विवेकानंद ने धर्म की श्रेष्ठता को स्थापित करते हुए युवा पीढ़ी को वेदांत का उपदेश देकर धर्म की महत्ता से परिचित कराया। उन्होंने जिस धर्म की व्याख्या की वह वास्तव में सत्य की नैसर्गिक की व्याख्या ही है। उनका धर्म जाति और वर्ण में बंटा संकुचित धर्म नहीं है अपितु संपूर्ण विश्व के मौलिक जीवन का सत्य है। यदि कोई सत्य किसी सत्य को काटता है तो वह सत्य हो ही नहीं सकता। सत्य धर्म ही हमारी उन्नति हमारे कल्याण और मानव शांति का एकमात्र विकल्प है क्योंकि धर्म के बिना हम अस्तित्व हीन हो जाते हैं।

स्वामी जी ने मद्रास में दिए गए एक प्रसिद्ध भाषण में युवा पीढ़ी को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ धर्म के प्रचार प्रसार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मेरा विचार है कि मैं भारत में कुछ ऐसे शिक्षालय स्थापित करूं जहां हमारे नवयुवक अपने शास्त्रों के ज्ञान में शिक्षित होकर भारत तथा भारत के बाहर धर्म का प्रचार कर सकें। अपनी विशुद्ध दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर युवा इस संसार का कायाकल्प कर सकते हैं। उन्होंने युवकों का आह्वान करते हुए कहा कि देश राष्ट्रीय जीवन रूपी जहाज है अतः तुम्हारा यह कर्तव्य है कि यदि इस जहाज में छेद हो जाएं तो उन्हें अपनी सारी शक्ति लगाकर बंद कर दें। यदि हम ऐसा न कर सके तो हमारा मर जाना ही उचित होगा। संसार के कल्याण के लिए ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्वामी जी ने कहा कि युवकों को ज्ञान के प्रकाश का विस्तार करना चाहिए। यह रोशनी प्रत्येक व्यक्ति के द्वार तक ऊंच नीच का भेदभाव किए बिना पहुँचनी चाहिए। गरीबों में ज्ञान का विस्तार करो। धनाढ्यों पर और अधिक प्रकाश डालो क्योंकि दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की आवश्यकता है। अपढ़ लोगों को भी प्रकाश दिखलाओ। शिक्षित मनुष्यों के लिए और अधिक प्रकाश चाहिए क्योंकि आजकल शिक्षा का मिथ्याभिमान नितांत वैयक्तिक स्वार्थ को निर्मित कर रहा है।

वास्तव में स्वामी जी का दृष्टिकोण बहुत व्यापक, उदार और आधुनिक था। इसलिए समन्वय उनके चिंतन का वैशिष्ट है। वे भारत की स्थापित मान्यताओं धर्म और मानव सेवा की परंपराओं के साथ आधुनिकता के समन्वय को महत्वपूर्ण मानते थे। वे चाहते थे कि भारतीय युवा पश्चिम से तकनीक और प्रौद्योगिकी का ज्ञान तो प्राप्त करें परंतु बदले में उन्हें भारतीय धर्म और दर्शन के उदात्त मूल्यों से परिचित भी कराएं। स्वामी जी से एक भेंट के दौरान महाराजा गायकवाड ने पूछा कि आप क्या चाहते हैं? कोई मंदिर, कोई मठ, कोई गुरुकुल, कोई वेधशाला तो स्वामी जी का उत्तर था ' नहीं टेक्निकल स्कूल और इंजीनियरिंग कॉलेज।' उनका दृढ़ विश्वास था की संकीर्णता के दायरे से बाहर निकल अपने जीवन और ज्ञान का विस्तार करके ही हम संसार पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए प्राचीन और आधुनिक ज्ञान के उचित समन्वय से ही मानवीय कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

स्वामी जी की परिकल्पना का समाज धर्म या जाति के आधार पर बंटा हुआ, मानव, मानव में भेद करने वाला नहीं है वरन् वह समता के सिद्धांत पर आधारित है जहां प्रत्येक भारतीय को भोजन और जीवन जीने की अन्य मूलभूत आवश्यकताएं यथाशीघ्र ही सहजता से उपलब्ध कराई जा सके। भारत की दरिद्रता उनके हृदय को व्यथित कर देती थी। पीड़ित कर देती थी। वे मानते थे कि औपनिवेशिक भारत में निम्न स्तर पर जीवन यापन करने वाले लोगों ने अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना छोड़ दिया था इसलिए स्वामी जी ने वेदांत में शिक्षित आत्मा के देवत्व के सिद्धांत के आधार पर सबसे पहले उन्हें अपने आप पर विश्वास करने का मंत्र दिया। वे चाहते थे कि लोगों के अंदर तर्क बुद्धि सृजित हो विवेक की शक्ति जागृत हो ताकि वे हर बात पर उचित ढंग से सोच सकें और अपने भाग्य विधाता स्वयं बन सकें। उन्होंने भारतीय समाज के कल्याण के लिए आत्मोत्थान को मूल तत्व के रूप में स्वीकारते हुए कहा कि हम जो बोते हैं वही काटते हैं। हम स्वयं अपने भाग्य के विधाता हैं। हवा बह रही है वह जहाज जिनके पाल खुले हैं इससे टकराते हैं और अपनी दिशा में आगे बढ़ते हैं पर जिनके पाल बंधे हैं हवा को नहीं पकड़ पाते। क्या यह हवा की गलती है? हम खुद अपना भाग्य बनाते हैं।

वेदांत दर्शन के मर्म को गहराई से समझने वाले स्वामी जी ने युवकों को 'आत्म दीपो भव' की शिक्षा दी। वे चाहते थे कि हमारे युवा महत्वाकांक्षी बने। बड़े-बड़े सपने देखें और बड़े आदर्शों को लेकर महान कार्य करें। उनका चिंतन दिव्य और विराट हो। वे भारत के पुरातन वैभव को पुनर्स्थापित करने के लिए निर्भय होकर आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ें तथा जब तक यह लक्ष्य प्राप्त न कर लें तब तक रुके नहीं। वे युवाओं को भारतीय संस्कृति के इतिहास और आध्यात्मिक परंपराओं का उत्तराधिकारी बनाना चाहते थे। उनके चिंतन में मानवतावादी मूल्यों को प्राथमिकता मिली और राष्ट्र सेवा, समाज सेवा तथा जन सेवा को लक्षित कर उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

11 सितंबर 1893 को शिकागो की विश्व धर्म संसद में स्वामी जी ने सनातन धर्म के धवल पक्षों को रेखांकित करते हुए कहा मुझे यह कहते हुए गर्व है कि, जिस धर्म का मैं अनुयायी हूं उसने जगत को उदारता और प्राणी मात्र को अपना समझने की भावना दिखालाई है। उन्होंने कहा जिस प्रकार भिन्न-भिन्न स्थानों से उत्पन्न नदियां अंत में एक समुद्र में ही एकत्र हो जाती हैं उसी प्रकार हे प्रभु मनुष्य अपनी भिन्न-भिन्न प्रकृति के अनुकूल प्रथक-प्रथक जान पढ़ने वाले मार्गों से अंत में तेरे पास ही पहुंचते हैं। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में भारतीय धर्म, दर्शन और अध्यामत्मस की विराटता को उदघाटित कर विश्व में भारत के प्रति जो मिथ्या अवधारणा? थीं, उन्हें तिरोहित करने में स्वामी जी का अवदान चिरस्मरणीय है।

श्री दिनकर लिखते हैं, अभिनव भारत का जो कुछ कहना था वह विवेकानंद के मुख से उदघोषित हुआ, अभिनव भारत को जिस दिशा में जाना था उसका स्पष्ट संकेत विवेकानंद ने दिया। विवेकानंद वह सेतु है जिस पर प्राचीन और नवीन भारत परस्पर आलिंगन करते हैं। विवेकानंद वह समुद्र हैं जिसमें धर्म और राजनीति, राष्ट्रीयता और अंतर्राष्ट्रीयता तथा उपनिषद और विज्ञान सब के सब समाहित हो जाते हैं। पूर्णतः भारतीयता में रचे बसे, राष्ट्रीयता के ताने-बाने में बुने स्वामी जी ने संपूर्ण भारत का भ्रमण कर भारत वासियों की सुषुप्त राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। भारत की आत्मा को पहचाना। देश की समस्याओं को जाना। जनता के दुख दर्द, गरीबी, बदहाली, अज्ञान, अंधविश्वास और उनकी पीड़ा को गहनता से समझा। उन्होंने भारत की शक्ति और कमजोरियों को भी अनुभूत किया और फिर यह उपदेश दिया कि वास्तविक शिव की पूजा निर्धन और दरिद्र की पूजा में है।

भगवान पोथी पुराणों में नहीं, धार्मिक पुस्तकों में नहीं, गरीबों में है। क्या सभी कमजोर सभी पीड़ितों में भगवान नहीं है। मेरे जीवन का परम ध्येय उस ईश्वर के विरुद्ध संघर्ष करना है जो परलोक में आनंद देने के बहाने इस लोक में मुझे रोटियों से वंचित रखता है। जो विधवाओं के आंसू पोंछने में असमर्थ है। जो मां-बाप से हीन बच्चे के मुख में रोटी का टुकड़ा नहीं दे सकता। उनका मानना था कि किसी भी देश की प्रगति तभी संभव है जब वहां की नारियां शिक्षित हों। नारियों के महत्व को रेखांकित करने के लिए उन्होंने कन्या पूजन की पवित्र परंपरा का भी मंगलाचरण किया था। स्वामी जी ने युवाओं को परिश्रम करने अटल रहने सुसंस्कृत सुशिक्षित बनने तथा आध्यात्मिक चिंतन, दर्शन, कला और विज्ञान का आनंद अनुभूत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परोपकार ही धर्म है, परपीड़न पाप। शक्ति और पौरुष पुण्य है, कमजोरी और कायरता पाप। स्वतंत्रता पुण्य है पराधीनता पाप। दूसरों से प्रेम करना पुण्य है दूसरों से घृणा करना पाप। परमात्मा और अपने आप में विश्वास पुण्य है संदेह ही पाप है। तुम शुद्ध स्वरूप हो उठो जागृत हो जाओ। हे महान, यह नींद तुम्हें शोभा नहीं देती। उठो यह मोह तुम्हें भाता नहीं है। तुम अपने को दुर्बल और दुखी समझते हो यह तुम्हें शोभा नहीं देता। है सर्वशक्तिमान उठो जागृत होओ। अपना स्वरूप प्रकाशित करो। मैं कायरता को घृणा की दृष्टि से देखता हूं। किसी प्रकार की राजनीति में मेरा विश्वास नहीं है। ईश्वर तथा सत्य ही जगत में एकमात्र राजनीति है। बाकी सब कूड़ा करकट है। किसी जाति विशेष पर न मेरा तीव्र अनुराग है और ना ही घोर विद्वेष ही। मैं जैसे भारत का हूं वैसे ही समग्र जगत का हूं।

निःसंदेह सहिष्णुता एवं समानता के पक्षधर स्वामी जी का परिष्कृत कालजयी चिंतन जो राजयोग, कर्मयोग, ज्ञान योग एवं भक्ति योग में अभिव्यक्त हुआ है कल भी युवाओं के लिए प्रेरक था आज भी है और कल भी रहेगा। उनकी विचारधारा शाश्वत और सार्वभौमिक है जिसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगाया जा सकता। भारत सरकार ने उनके सम्मान में उनके जन्मदिवस 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित कर स्वामी जी को चिर युवा बना दिया है। भारतीय समाज को स्वाभिमानी बनाने तथा एकजुट होने की उन्होंने प्रेरणा दी। हमारा दायित्व है कि हम उनके दूरदर्शी दर्शन को अपने व्यवहार में साकार करें ताकि अपने भविष्य निर्माण के साथ राष्ट्र को समृद्ध करें और भारत को पुनः विश्व गुरु के खोए हुए गौरव को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से अग्रसर कर सके।

मौसम के बदले मिज़ाज ने रबी फसलों को पहुंचाया नुकसान

मक्का के आकार से बड़े ओले गिरे, 12 करोड़ रुपए मुआवजे की मांग

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

मौसम के ख़राब होते हालातों के चलते जिले के कई भागों में वर्षा हुई। कई गांवों में वर्षा के साथ ओले भी गिरे हैं। इससे अफीम, गेहूं, चना, मैथी समेत रबी की फसलों में हानि हुई। जिले में बीते दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जिले के कई इलाकों में वर्षा हो रही है तथा ओले भी गिर रहे है। मंडी व खेतों में फसले भीग गई। वही सीतामऊ व शामगढ़ तहसील के कई इलाकों में वर्षा के साथ ओलावृष्टि हुई। सीतामऊ इलाके में कही मक्का के आकार के तो कही उससे बड़े आकार तक के ओले गिरे। खतरनाक ओलावृष्टि से मंदसोर जिले के कई गांवों में किसान परेशानी में आ गए है, वर्षा आरम्भ होते ही लाइट भी गुल हो गई। वही मध्यप्रदेश के मालवा-निमाड़ में तेज बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हानि पहुंची है। सबसे अधिक हानि मंदसौर के सीतामऊ तथा शामगढ़ क्षेत्र के गांवों में हुई है।

मंदसौर जिले में हुई ओलावृष्टि व बारिश से हुई नुकसानी का सर्वे राजस्व टीम ने पूरा कर लिया है। कलेक्टर गौतम सिंह ने सोमवार को मप्र शासन के राहत आयुक्त को रिपोर्ट भी भेज दी है। इसके अनुसार 31 गांवों में 5 हजार 216 किसानों की 4 हजार 476 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान हुआ हैं। जिला प्रशासन ने 21 करोड़ रुपए की फसल नुकसानी का आकलन किया है। शासन से 11 करोड़ 99 लाख 26 हजार रुपए का मुआवजा मांगा है। हालांकि सोमवार को ही हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से एक बार फिर सर्वे कराने को कहा है और इस बार पटवारियों को सीधे मौके से ही सारा एप पर इंट्री भी करना होगी। सीएम के रवैये से लग रहा है कि वह भी इस सर्वे से खुश नहीं है।

जिले में हुई ओलावृष्टि में नजरी सर्वे और वास्तविक सर्वे के आंकड़ों में भी भारी अंतर देखने को मिला है, इसी के बाद सोमवार दोपहर बाद हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी कलेक्टर गौतमसिंह से एक बार फिर से सर्वे कराने को कहा। इस बार सर्वे करने वाले पटवारी गांवों में खेत पर मौके से ही 'सारा' एप में सारी इंट्री करेंगे। हर किसान के खेत पर पहुंचेंगे और उसकी नुकसानी की इंट्री एप पर होगी। इधर जिला प्रशासन ने ताबड़तोड़ कराए गए सर्वे की रिपोर्ट मुख्यमंत्री की वीसी के पहले ही मप्र के राहत आयुक्त को भेज दी थी। जिसमें मंदसौर जिले में 21 करोड़ रुपए की फसल नुकसानी का आकलन बताया गया। इसके लिए 11 करोड़ 99 लाख 26 हजार रुपए का मुआवजा शासन से मांगा गया है। अभी तक किए सर्वे में 31 गांवों में 5 हजार 216 किसानों की 4 हजार 476 हेक्टेयर क्षेत्र में नुकसानी मिली है। शासन की तरफसे राशि आते ही किसानों को वितरण प्रारंभ हो जाएगा। जिले की सीतामऊ, सुवासरा व शामगढ़ तहसील में ओलावृष्टि का असर हुआ है। सबसे ज्यादा प्रभावित सीतामऊ तहसील रही हैं। इसका असर उद्यानिकी फसलों पर ज्यादा हुआ है। धनिया तो इन गांवों में पूरी तरह नष्ट हो गया है। इसके अलावा लहसुन, कलोंजी, मैथी भी ओले से प्रभावित हुई है। कुछ गांवों में गेहूं, अफीम, सरसों की फसल भी खराब हुई हैं।

मंदसौर जिले में हुई ओलावृष्टि का असर अभी भी खेतों में नजर आ रहा हैं। फसलें आड़ी हो गई हैं और जहां ज्यादा ओले गिरे हैं वहां तो काली पड़कर नष्ट हो गई है। राजस्व विभाग के दल ने खेतों का सर्वे पूरा कर लिया है। पर नजरी सर्वे व वास्तविक सर्वे में काफी ज्यादा अंतर दिख रहा है। नजरी सर्वे में लगभग 41 गांवों में ज्यादा नुकसान बताया गया था और 154 गांवों में आंशिक नुकसानी बताई थी। जिले में छह तहसीलों मंदसौर, सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़, गरोठ, भानपुरा में ओलावृष्टि व बारिश से नुकसानी दर्ज की गई है। मंदसौर तहसील के तीन गांवों में 25 से 33 प्रतिशत तक, सीतामऊ के 19 गांवों में ज्यादा व 154 गांवों में आंशिक, सुवासरा के चार से पांच गांवों में 5 से 15 प्रतिशत तक, शामगढ़ के भी चार से पांच गांवों में 5 से 10 प्रतिशत तक, गरोठ के 5 गांवों में 30 से 50 प्रतिशत तक नुकसानी दर्ज की हैं। इसके अलावा भानपुरा के 4 गांवों में 10 से 90 प्रतिशत तक नुकसान बताया गया था।

रेत खदानों की अब तक नहीं हुई नीलामी, अवैध खनन् जारी

माही की गूंज, मंदसौर।

खनिज विभाग ने दिसंबर 2021 तक मन्दसौर जिले व अन्य 14 जिलों में खदानें नीलाम करने की तैयारी की थी, पर अब तक इनमें से एक भी जिले की खदानें नीलाम नहीं की गई है। जिससे इन जिलों की खदानों से रेत चोरी हो रही है। मध्यप्रदेश शासन के खनिज साधन विभाग मंत्रालय के अधिकारियों की जिद के कारण जिले में रेत की कालाबाजारी शुरू हो गई है। दरअसल, डिपार्टमेंट के अफसरों ने इन जिलों में रेत की खदानों की नीलामी नहीं की है। रेत की डिमांड पूरी करने के लिए माफिया सक्रिय हो गए हैं और बाजार में 100 रुपए प्रति ट्रॉली रेत महंगी हो गई है। खनिज साधन विभाग की इस गलती या फिर सोची समझी साजिश के कारण भवन निर्माताओं के लिए माफिया की रेत मजबूरी बन गई है। यदि अभी तत्काल नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए तब भी इस प्रक्रिया को पूरा होने में 2 महीने का समय लगेगा। इसके बाद पर्यावरण की एनओसी और उत्खनन की अनुमति आदि प्रक्रिया में 3 महीने खर्च हो जाएंगे। जून के महीने में बारिश शुरू हो जाएगी। अक्टूबर 2022 से पहले नदियों में से रेत निकालना मुश्किल होगा। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश में खनिज विभाग के कारण माफिया की रेत मजबूरी बन गई है।

जावेद हबिब के खिलाफ सेन समाज ने दिया ज्ञापन

महिला के सिर में थूककर बाल काटते हुए वीडियो हुआ था वायरल

माही की गूंज, रतलाम/पिपलोदा।

हेयर आर्टिस्ट जावेद हबिब के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने व उसके द्वारा संचालित सैलून को तत्काल बंद करने को लेकर सेन समाज पिपलौदा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम तहसीलदार की अनुमति से राजस्व निरीक्षक दिनेश टोकरे को मंगलवार को ज्ञापन दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व केश शिल्पी बोर्ड संचालक अतुल गौड़ ने बताया कि, हेयर ड्रेसर जावेद हबीब का पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें जावेद हबीब एक महिला के सिर में थूककर बाल काटते हुए दिखाई दे रहा था जो कि एक घृणित कार्य है। वीडियो में थूकने के लिए जावेद हबीब के द्वारा तर्क दिया जा रहा है कि यदि आपके सेलून में पानी नहीं है तो आप थूक सकते हो। इससे जावेद हबीब की ओछी मानसिकता का पता चलता है। सैलून का कार्य सेन समाज (केश शिल्पियों) का पुश्तेनी कार्य है। समाज बंधु इसे सेवा के रूप में करते हैं किंतु जावेद हबीब द्वारा किया गया कार्य समाज के कार्य को बदनाम करने व नीचा दिखाने जैसा है।

जिला प्रवक्ता गौरव टांकवाल ने बताया कि, जावेद हबीब के इस घृणित कार्य से संपूर्ण समाज में आक्रोश है और सबकी भावना आहत हुई है। पूरा समाज इस कृत्य कार्य कि निन्दा करते हुए जावेद हबीब के खिलाफकार्रवाई की मांग करता है। ज्ञापन देते समय सेन समाज नगर अध्यक्ष रमेश परमार, युवा सेन समाज नगर अध्यक्ष लोकेश परमार, सुनील भाटी, सालगराम परमार, रमेश गहलोत, सतीश राठौर रिंगनोद, सचिन परमार, चिंटू गहलोत, दीपक परमार, पवन परमार, अश्विन गोड़, शेखर गहलोत, यशराज टांकवाल, सुमित परमार, प्रीत डाबी, जैन समाज नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रफुल्ल जैन आदि उपस्थित थे।

किसान संघ ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, रतलाम।

भारतीय किसान संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार की अनुमति से नायाब तहसीलदार भीमसिंह खराड़ी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि, किसानों को उनकी लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य प्रत्येक फसल पर मिले इसको लेकर भारतीय किसान संघ ने कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया लेकिन सरकार से अभी तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है। संघ के जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम पाटीदार ने बताया कि, अगर सरकार ने हमारी मांगे नहीं मानती हैं तो संघ के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया जावेगा। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम पाटीदार, तहसील अध्यक्ष ईश्वरलाल पाटीदार, तहसील उपाध्यक्ष बालमुकुंद पाटीदार, सुरेश पाटीदार बडायला माताजी, प्रेमसिंह, बद्रीलाल, नानालाल शाह, धर्मेंद्र पटेल, रवि पाटीदार, देवेंद्र गोस्वामी आदी उपस्थित थे। ज्ञापन का वाचन सुरेश पाटीदार ने किया।

हरे-भरे पौधों व पेड़ों को काटकर जलाऊ लकड़ी के रूप में हो रहा उपयोग

माही की गूंज, भानपुरा।

इन दिनों छोटे-बड़े महादेव, इंदरगढ़ बांध क्षेत्र एवं कातना रोड के वनों की कटाई बेरहमी से जारी है। नगर भानपुरा से सिर बोझ लाने वाली अनेक मजदूर वर्ग की महिलाएं हरे-भरे पौधों व पेड़ों को काटकर जलाऊ लकड़ी सिर पर धर कर ला रही है। वही वन विभाग के कर्मचारी-अधिकारी मुस्तैद नहीं है। अधिकांश मात्र अपनी औपचारिकता पूरी करने में लगे हैं। सवेरे-शाम कभी-कभी व वनों का दौरा कर लेते हैं, वन अमले की ढिलाई के कारण उपरोक्त क्षेत्र के हरे भरे पौधों व पेड़ों को खूब काटा जा रहा है। नगर के अनेक जागरूक लोगों ने मांग की है कि, पहले ही क्षेत्र के जंगल पूरी तरह से काटे गए हैं व कुछ क्षेत्रों में ही जंगल दिखाई देते हैं। इसके बावजूद भी पेड़-पौधे काटने वाले परिवार जन नहीं देख रहे हैं कि हमारे क्षेत्र में यदि जंगल कट जाएंगे तो फिर जंगल के नाम पर यहां क्या बचेगा ही क्या, ऐसे लोग पर्यावरण को बुरी तरह से बिगाड़ने में लगे हैं। ऐसे में मजदूर वर्ग की महिलाओं का यह भी कहना है कि, गैस टंकी लगभग 900 रुपए के आस-पास आती है, ऐसे में उज्ज्वला योजना का लाभ हमें नहीं मिलने से हमारी क्षमता में महंगी गैस टंकी खरीदना बस के बाहर हो रहा है।

नगर के पर्यावरण जागरूक लोगों ने क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड़ एवं शासन-प्रशासन से मांग की है कि, ऐसे गरीब वर्ग के लिए गैस सिलेंडर सस्ती दर पर उपलब्ध कराया जाए ताकि भानपुरा की पहचान के रूप में यहां के जंगलों को बचाया जा सके। इस मामले में रविवार को वन विभाग कार्यालय रामपुरा गेट पर हमेशा की तरह गरोठ से आए वन रेंजर कमलेश सालवी ने स्थिति का जायजा लेते हुए बताया कि, यहां की संस्थाएं गरीब वर्गों को मदद करें, साथ ही जब उनसे मांग की गई कि यहां पर वन चौकी एवं बेरियर लगाया जाए तो आपने कहा कि यहां की संस्थाए व जागरूक लोग भी मांग करें व हम भी उच्चाधिकारियों से यहां पर वन चौकी वह बैरियर लगाने की मांग उठाएंगे। वन रेंजर कमलेश सालवी ने यह भी कहा कि यदि वनों की कटाई में कमी नहीं आई तो हम सख्त से सख्त कार्रवाई करने को मजबूर होंगे।

लॉकडाउन की अफवाह फैलाकर कमाई करने वाले गिरोह सक्रिय

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

कोरोना और ओमीक्रान के प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर प्रदेश में नाइट कर्फ्यू लगाया है। नाइट कर्फ्यू से एक दिन पहले तक राशन सामग्री और डेली निड्स के साथ साग-सब्जी में आलू-प्याज की मुनाफाखोरी फिर से लॉकडाउन लगने की उम्मीद में अभी से मुनाफा कमाना चालू कर दिया है। जबकि शासन का मात्र नाइट कर्फ्यू लागू करने का आदेश दिया है, न कि दिन में कर्फ्यू लगाने संबंधी। लेकिन जमाखोरी करने वाले कारोबारी अफवाह फैलाकर कमाई का रास्ता निकाल लिया है।

प्रदेश में लाकडाउन के नाम पर मुनाफाखोरों ने अभी से लोगों को भयभीत कर आवश्यक सामग्री के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर दि है। वही शासन इस पर कार्रवाई करने में लाचार नजर आ रही है। मार्केट से बीड़ी-सिगरेट, गुटखा-पाउच गायब हो गए है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी लाकडाउन के नाम पर दोगुने दाम पर बेचने वाले गिरोह सक्रिय हो गए है। वहीं खाद्य सामग्री का बुरा हाल है, आटा-तेल, दाल शक्कर, साबुन, मसाला दोगुने-तीन गुने दाम पर मिल रहे है। जो कि लाकडाउन अभी लगा नही है लॉकडाउन लगने से पहले ही जो आटा 25 रुपए में मिल रहा था वह बढ़कर 30 रुपए में मिल रहा है। इसी प्रकार तेल का पैकेट 120 रुपए की जगह 140 रुपए, गुड़ 40 रूपए से बढ़कर 45 का रेट मिल रहा है। इसी तरह दूसरी चीज़ों में दुकानदारों ने कीमत बढ़ाकर बेच रहे हैं। पिछले कोरोना काल में लोगों ने मरने वाले व्यक्तियों को भी लुटने से बाज़ नहीं आए थे, वही नज़ारा अभी से दिखने लगा है।

मुनाफाखोरों को शासन-प्रशासन का नही है डर

कालाबाजारियों और मुनाफाखोरों को प्रशासन का डर अब नहीं रह गया है ऐसा आभास हो रहा है। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते रफ्तार और लाकडाउन में फिर जमाखोरी कर कमाई के लिए मुनाफाखोरों ने अवैध रूप से भंडारण करना शुरू कर दिए है। दुकानदारो द्वारा ज्यादा से ज्यादा गोडाउन लेकर अवैध भंडारण किया जा रहा है। वहीं आलू-प्याज के आलावा दूसरे सामने के थोक व्यापारी भी लाकडाउन की संभावना को देखते हुए जमा खोरी शुरू कर दिया है। जबकि लाकड़ाउन का अभी कोई संभावना नहीं है।

अवैध शराब माफिया भी सक्रिय

कोरोना की बढ़ते रफ्तार को देखते हुए यदि पूर्ण लाकडाउन लग जाएगा तो शराब दुकान भी बंद हो जाएगी। जिसका बेजा फायदा उठाने शराब माफिया शाजापुर, शुजालपुर के साथ कंजर ढेरो से शराब लाकर स्टाक कर रहे है। खेत या फार्म हाउस को किराए पर लेकर शराब स्टाक कर रहे है। लाकडाउन लगते ही इन स्थानों से शराब की सप्लाई पहेल की तरह शुरू हो जाएगी। पिछली बार जब लंबा लाकडाउन लगा था, तब सरकार ने मदिरा प्रेमियों की शराब के लिए भटकना पड़ता था। थोक में दूसरे जिले से शराब लाने का सिलसिला लगातार जारी है।

सब्जी व्यापारियों भी सक्रिय

आलू-प्याज को मार्केट में रोकने अवैध भंडारण जीवन में सब्जी कोई भी हो लेकिन आलू-प्याज के बिना सब्जी बनना मुश्किल है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर व्यापारी द्वारा यूपी, बिहार, महाराष्ट्र से ट्रकों से आलू-प्याज मंगवा रहे है। लाकडाउन का बेजा फायदा उठाने के लिए सब्जी व्यापारी भी तैयार हो गए है। जो लाकडाउन लगते ही भाव बढ़ाकर आलू-प्याज की थोक और फुटकर विक्रेताओं को देंगे। पिछले लाकडाउन में प्याज के दाम 100-120 रुपए तक पहुंच गए थे। बाजार में अभी आलू 20 रुपए तो प्याज 20 रुपए किलो चल रहा है। अगर गलती से पूर्ण लाकडाउन हो गया तो व्यपारियो फिर दाम बढ़ाकर बेचने के लिए तैयार है। जो मार्केट में मांग के अनुरूप सप्लाई करेंगे।

जुलूस, रेली, सभाए बंद नहीं कर सकते तो गरीब जनता का चालान बंद करवा दो- श्री सिसनोरिया

माही की गूंज, शाजापुर।

आम आदमी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिसनोरिया ने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं से सोशल मीडिया के जरिए निवेदन किया है कि, कोरोना आया कृपया जुलूस, रेली, सभाएं बंद करे। जिला प्रशासन तो आपके कब्जे में है वह तो आपसे कहेगा नहीं। एक तरफसरकार ने पंचायत चुनाव निरस्त किए गए हैं। स्कूल व कॉलेज के सभी बच्चों को टीके लग रहै हैं। कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुवे सरकारी संस्थाये काम कर रही है। कोरोना महामारी की जागरूकता पर करोड़ों रुपए के विज्ञापन और व्यवस्थाओ पर खर्च हो रहा है। फिर भाजपा के नेता रैली, जुलूस, सभाएं क्यों कर रहे हैं। क्या कोरोना लोगो का चालान काटने के लिए सिर्फ आम गरीब जनता के लिए आया है। क्या यह जनता की जान को जोखिम में नहीं डाल रहे हैं। यदि ऐसा यह जानबूझकर कर रहे हैं तो मतलब कोरोना इन के लिए नहीं है। सिर्फविपक्ष और गरीब मजदूर जनता के लिए हे ताकि वह मास्क पहनकर रखे कुछ बोले नही। इससे साबित होता हे की जिला प्रशासन सत्ताधारी नेताओं के दबाव में काम कर रही है।

नवनियुक्त मोर्चा के अध्यक्ष का किया सम्मान

माही की गूंज, शाजापुर।

अध्यक्ष का सम्मान एवं शपथ समारोह का कार्यक्रम भाजपा पार्टी कार्यालय में रखा गया। जिसमें जिला अध्यक्ष अंबाराम कराडा विशेष अतिथि के रुप में, पूर्व विधायक अरुण भीमावत एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्याम टेलर को बनाया, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती के तलवे को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में निवर्तमान मोर्चा के अध्यक्षों का भी सम्मान किया गया।

न्यूज ब्रीफ

जिले में सामने आया पहला ओमिक्रोन का मामला

माही की गूंज, मंदसौर। जिले में ओमिक्रोन का पहला केस सामने आया है, इसकी पुष्टि हो चुकी है। 25 दिसंबर को जिले में विदेश से एक महिला पॉजिटिव पाई गई थी। यह महिला दुबई से मंदसौर आई थी। जिसके बाद महिला का सैंपल जीनोम सीक्वेंस के लिए दिल्ली लैब में भेजा गया था। रिपोर्ट में ओमिक्रोन की पुष्टि हुई है। कलेक्टर ने इसकी जानकारी देते हुए यह बताया कि, विदेश से आए पॉजिटिव मरीजों का सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए दिल्ली भेजा गया था। जिनकी रिपोर्ट भी आ गई है। उनमें से एक महिला में ओमिक्रोन की पुष्टि हुई है। सबसे अच्छी बात यह है कि, महिला अब स्वस्थ होकर आइसोलेशन से डिस्चार्ज भी हो चुकी है। डीएम के अनुसार जीनोम सीक्वेंस के लिए 5 सैंपल और भी भेंजे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि, हम सभी मरीजों पर बराबर ध्यान दे रहे हैं। राहत कि बात यह है कि, जिले में कोई भी कोविड पॉजिटिव गंभीर स्थिति में नहीं है। मंदसौर में ओमिक्रोन केस का यह पहला मामला है।

एड्स मुक्त भारत चुनौतियां एवं समाधान विषय पर प्रतियोगिताएं हुई आयोजित

माही की गूंज, खरगोन। शासकीय महाविद्यालय खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. डीडी महाजन एवं जिला संगठक नोडल अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे के मार्गदर्शन में युवाओं के मध्य एड्स मुक्त भारत चुनौतियां एव समाधान विषय पर प्रश्न मंच और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सावन धनगर प्रथम, शिवम पटेल द्वितीय और कृतिका यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम शिवम पटेल, द्वितीय सावन धनगर व तृतीय स्थान श्रेय सेना ने प्राप्त किया। इन प्रतिभागियों को जिला चिकित्सालय से नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में भागीरथ खतवासे, सागर नैयर, खुशी यादव, वैष्णवी गुप्ता, गोतम भालेकर, रुचिका पाटीदार, चीमा ब्राम्हणे, जयपाल सोलंकी, प्रांजलि पाटीदार, प्रियंका यादव सहित अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्वास्थ्य शिविर में 13 बच्चों को सर्जरी के लिए किया चिन्हाकित

माही की गूंज, खरगोन। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय के डीईआईसी भवन में कटे होंट, फटे तालू का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजिन किया गया। शिविर में जन्म से लेकर 18 वर्ष की आयु तक के बच्चों को विभिन्न ग्रामों से चिन्हित कर शिविर में लाया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला समन्वयक सह डीईआईसी प्रबंधक विनोद पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि, जन्मजात विकृतियों से ग्रसित इन बच्चों की निःशुल्क सर्जरी लाहोटी अस्पताल भोपाल में होगी। शिविर में कटे होंट, फटे तालू से ग्रसित कुल 19 बच्चों का पंजीयन हुआ। जिनमें से लाहोटी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. चंचल ठाकुर के द्वारा 13 बच्चों को सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया। चिन्हांकित किए बच्चों को चिकित्सक अपने साथ ही भोपाल सर्जरी के लिए ले जाएगे तथा सर्जरी उपरांत पुनः खरगोन भेजा जाएगा।

कोविड-19 के बचाव के लिए अस्थाई नियुक्ति

माही की गूंज, खरगोन। कोरोना के लगातार बढ़ते संक्रमण के आवश्यक रोकथाम के लिए गत वर्ष विभिन्न पदों की अस्थाई नियुक्ति की गई थी। इस वर्ष भी ऐसी ही परिस्थियां निर्मित होने से पूर्व आवश्यक मानव संसाधन की पूर्ति के लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने समय-समय पर सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान को आवश्यक अमले की जानकारी देने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में सीएमएचओ डॉ. चौहान ने बताया कि, कोविड-19 के अंतर्गत पूर्णतः अस्थाई मानव संसाधन की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरत का आकंलन कर लिया गया है। अब जिले में एक पीजीएमओ, 4 एमओ, 15 आयुष एमओ, एक लेब टेक्नीशियन, एक फार्मासिस्ट, एक ओटी टेक्नीशियन और एक एनेस्थेसिया टेक्नीशियन सहित कुल 49 पद अस्थाई तौर पर भरे जा रहे है। 15 जनवरी को सीएमएचओ कार्यालय में 15 जनवरी को वॉक साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती होगी।

प्रदूषण के लिए हो जाओ तैयार, रहवासी क्षेत्रों में ईंट भट्टे हो रहे तैयार

माही की गूंज, आम्बुआ(अलीराजपुर)

कस्बे की विभिन्न समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या स्वास्थ्य से जुड़ी है, यह है प्रदूषण। यह मानव स्वास्थ्य पर किस तरह प्रभाव डालती है यह यहां के निवासियों से बेहतर कौन जान सकता है। बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन का मौन रहना इन्हें समर्थन देने जैसा है। समाचार पत्रों में समाचारों तथा पत्रकारों के प्रतिनिधियों द्वारा जिलाधिकारी से मिलकर समस्या से अवगत कराने के बावजूद एक वर्ष में भी कोई उचित निदान नहीं निकाला गया।

हम बात कर रहे हैं, आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में संचालित ईट भट्टों की। दोनों ग्रामों में आवासीय क्षेत्रों के समीप विगत वर्षों से ईटो का कारोबार करने वाले व्यवसाई कार्यरत है। इस व्यवसाय की प्रथम शर्त यही बताई जा रही है कि, इनके भट्टे आवासीय क्षेत्रों से दूर होना चाहिए इन्हें पकाने हेतु जो भी ईंधन उपयोग में लाया जाए उसका धुआं तथा धूल एवं राख के कण मानव जीवन को प्रभावित नहीं करें, पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाए, मगर इसका पालन नहीं किया जा रहा है। ईटों को पकाने हेतु पत्थर कोयले का उपयोग किया जा रहा है जिसका धुआं जब निकलता है तो उस से बदबू आती है तथा काला धुआं आसपास रहने वालों की सांसों में जाकर बीमारी फैलाता है।

जिस कारण आंखों में जलन, अस्थमा आदि की शिकायत मिल रही है। सुबह तथा शाम को धुएं के कारण कस्बे में अंधेरा छा जाता है हवा का रुख यदि सड़क मार्ग की ओर हुआ तो वाहन चलाने में परेशानी होती है।

ये ईट भट्टे आवासीय क्षेत्र के साथ-साथ शिक्षण संस्थाओं को भी प्रभावित कर रहे हैं। आम्बुआ में स्थित ईट भट्टों के पास कई धार्मिक स्थल भी मौजूद है जहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी होती रहती है। इस समस्या की जानकारी देने हेतु आम्बुआ पत्रकार संघ के सदस्यों ने विगत वर्ष अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी गामड़ से भी मुलाकात कर करवाई का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि, हम धंधा बंद करा कर किसी के पेट पर लात नहीं मार सकते आप लोग लिखित शिकायत करें ताकि जांच हो सके। ईट भट्टा संचालकों के पास जब भी कोई जाता है तो वह वर्षों पुराने एक पत्र मोबाइल से दिखा देते हैं कि, इन्हें इस धंधे की छूट है। पत्र में कुम्हारों को मिट्टी तथा रेत की रॉयल्टी से छूट की बात लिखी है साथ ही उनकी एक सीमा भी तय है यह छूट मिट्टी के बरतन तथा कवेलू आदि के लिए है। इसी पत्र की आड़ में यह लोग बड़े स्तर पर लाखों की संख्या में ईट बनाना पकाना आदि के बाद बड़े स्तर व्यवसाय करते हैं। वर्तमान में पुनः ईंट बन कर तैयार है तथा भट्टे लगाए जा रहे हैं, जिससे अति शीघ्र लोगों को प्रदूषण का सामना करना पड़ेगा और प्रशासन कोई कार्रवाई करता है या नहीं यह भविष्य बताएगा।

15 से 18 वर्ष के किशोरों में वैक्सीनेशन के प्रति भारी उत्साह, स्कूल शत-प्रतिशत टीकाकरण के समीप

माही की गूंज, आम्बुआ(अलीराजपुर)।

केंद्रीय शासन के आदेशानुसार प्रदेश शासन के निर्देश पर हो रहे कोरोना वेक्सीनेशन में 15 से 18 वर्ग समूह के विद्यार्थियों में भारी उत्साह नजर आ रहा है। आम्बुआ बालक तथा कन्या हाई स्कूल में शतप्रतिशत टीकाकरण होने की संभावना है। स्कूल लक्ष्य से मात्र 8 कदम दूर बताया जा रहा है इसके लिए स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षा विभाग का सराहनीय सहयोग माना जा सकता है।

जिलाधीश मनोज पुष्प के निर्देश में जिला चिकित्साधिकारी डॉ. प्रकाश ढोके एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एलडीएस कुकवान के मार्गदर्शन में आम्बुआ स्थित हाई सेकेंडरी बालक एवं कन्या स्कूल में 3 जनवरी से कोरोना वेक्सीनेशन का कार्य प्रारंभ हुआ। 6 जनवरी तक 548 पात्र

विद्यार्थियों में से 540 ने उत्साह पूर्वक टीकाकरण कराया। अब केवल 8 विद्यार्थी शेष है जो किन्हीं कारणों से शाला में नहीं आ रहे हैं या तो इनमे से कुछ गुजरात गए होंगे या घर पर खेती आदि में परिवार का हाथ बंटा रहे होंगे।

प्राचार्य नरेंद्र भारद्वाज ने बताया कि, वे शेष बचे विद्यार्थियों तथा उनके परिवार से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके। जक्त अभियान में डॉ. दीपक चौहान, एलएचबी प्रमिला सोलंकी तथा एएमएम शर्मिला डुडवे एवं विनीता तथा शिक्षण संस्थाओं के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं, अतिथि शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राप्त जानकारी अनुसार लगभग 32 बच्चों ने स्वास्थ्य केंद्र पर भी टीका लगवाया है। क्षेत्र में अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में भी टीकाकरण कार्य किया जाना है।

छात्राओं की आत्मरक्षा हेतु जूडो कराटे आवश्यक

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में बौद्धिक प्रकोष्ठ विभाग द्वारा आजादी के अमृत महात्सव के अंतर्गत विश्व बैंक परियोजना, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा उन्नयन द्वारा प्रायोजित महाविद्यालय परिसर में दिनांक 5 जनवरी, से 12 जनवरी तक कुल 7 दिवसीय जूड़ो कराटे प्रशिक्षण प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। सुश्री रत्ना भावसार जूड़ो-कराटे, प्रशिक्षक, ब्लेक बेल्ट, फर्स्ट डान ने प्रशिक्षण के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण छात्राओं को आत्मरक्षा एवं आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के विकास में सहायक रहा। प्रशिक्षण से 100 से अधिक छात्राएं लाभान्वित रही।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना सिसोदिया ने जूड़ो कराटे प्रशिक्षण हेतु छात्राओं को प्रेरित कर जूड़ो कराटे की उपयोगिता से अवगत कराया। क्रार्यक्रम सचिव प्रो. रितु कुमरावत ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया। प्रशिक्षण के उदघाटन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा के लिए हटाया 20 वर्ष पुराना आशियाना

माही की गूंज, मंदसौर।

मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत कनघट्टी में सरकारी जमीन पर करीब 20 वर्ष से एक परिवार रह रहा था। इस जमीन पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने को लेकर ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव बनाकर राजस्व विभाग को झोपड़ी हटाने का आवेदन दिया था। आवेदन के बाद टीम ने अतिक्रमण हटा दिया। आशियाना नहीं टूटे इसलिए महिला ने अधिकारियों के सामने हाथ तक जोड़े। उन्होंने 5 दिनों की मोहलत मांगी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सामान निकालकर टीम ने घर तोड़ दिया। मामला गर्माया तो पंचायत ने परिवार की अस्थाई व्यवस्था गांव के मांगलिक भवन में कर दी।

कलेक्टर गौतम सिंह का कहना है कि, एक परिवार आया था। वह सरकारी जमीन पर बना उनका घर अतिक्रमण कार्रवाई में हटाने की बात कह रहा था। उसने बताया कि, लंबे समय से वह वहीं पर रहा है। मैंने निर्देश दिए हैं कि, आवासीय इकाइयों को तब तक नहीं छुआ जाए, जब तक की संबंधित के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था न हो जाए। परिवार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के बाद ही विस्थापित किया जाएगा।

तहसीलदार वंदना हरित का कहना है कि, परिवार को हमने नहीं हटाया, वह खुद ही वहां से हटे हैं। हम परिवार से बात कर रहे हैं।

दिव्यांग व्यक्ति को मिली सहायता

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव और मंदसौर जिला प्रभारी द्वारा

जनसेवा की मिसाल पेश की गई। केसोदा गांव मे एक दिव्यांग गिरिराज राव को जो के पैर से चल नही सकते है जिससे बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गिरिराज राव द्वारा बहुत जगह मदद मांगी लेकिन कही मदद नही मिली। जिले मे कांग्रेस संगठन की मजबूती का काम कर रहे दुर्गेश सिंह पटेल को जब यह जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत नई ट्रायसिकल ला कर दी। गांव के लोगो ने पटेल का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर आसपास के ग्रामीणजन उपस्थित रहे। दुर्गेश सिंह पटेल ने गूंज से चर्चा मे बताया कि, मुझे एक कार्यकर्त्ता द्वारा गिरिराज राव कि परेशानी के बारे मे बताया गया था। क्षेत्र के आमजन कि हर संभव मदद के लिए मैं हमेशा तैयार हूँ।

वैक्सीनेशन में लापरवाही, 4 शिक्षकों को किया निलंबित

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जिले में चल रहे वैक्सीनेशन कार्य में संलग्न 17 नोडल अधिकारियों को शोकाज नोटिस जारी कर, समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। अन्यथा की स्थिति में मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) अधिनियम 1965 के नियम 3 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। वही वैक्सीनेशन कार्य में लापरवाही बरतने पर 4 शिक्षकों को निलंबित भी किया है।

नोडल अधिकारियों ने वैक्सीनेषन केन्द्रों पर कम लोगों का वैक्सीनेशन होने से कलेक्टर ने उन्हे शोकाज नोटिस जारी कर अपने समक्ष सुनवाई हेतु उपस्थित होने के आदेश दिए है।

इन शिक्षकों को किया निलंबित

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने वैक्सीनेशन कार्य में लापरवाही बरतने पर प्राथमिक विद्यालय बोरचापड़ा के शिक्षक महेश धाकड़, माध्यमिक विद्यालय चिकल्या के शिक्षक रामा चैहान, माध्यमिक विद्यालय पांचपुला दक्षिण के शिक्षक विक्रमसिंह खरत एवं प्राथमिक विद्यालय चिंदाबोरी के शिक्षक सचिन गावस्कर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने मनाया रोजागार दिवस

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत खरगोन के द्वारा शासकीय स्नाताकोत्तर महाविद्यालय में स्वरोजगार एवं रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन कृषी मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल एवं क्षेत्रिय सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल की अध्यक्षता एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह जिला पंचायत खरगोन, मुख्य प्रबंधक जिला उधोग एवं व्यापार कैन्द्र एसएस मण्डलोई, जिला रोजगार अधिकारी राजपाल, पुर्व विधायक बाबुलाल महाजन, आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती सीमा निगवाल व लीड बैंक प्रबंधक प्रदिप मुरुडकर की उपस्थिति मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के आदर्शो के अनुरुप देश कि

युवाशक्ति का उनके जीवन शैली से परिचय व प्रदेश के युवाओ को रोजगार व स्व रोजगार से जोडना रहा। कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समूह की दीदीओ से वर्चुअल संवाद किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री चौहान द्वारा ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के 310 हितग्राहियों को 31 लाख रुपए, 301 समूहो को सीसीएल ऋण राशि 6 करोड 23 लाख रुपए, 369 समूहो को सामुदायिक निवेश निधि 2 करोड 76 लाख 75 हजार रुपए, 536 समूहो को चक्रिय कोष राशि 59 लाख 2 हजार रुपए के चेकों का सांकेतिक रुप से वितरण किया गया। साथ ही आजीविका एक्सप्रेस योजना अंतर्गत दो वाहनों को ग्रामीण क्षेत्र मे सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उदेश्य से वि. ख. भगवानपुरा के जागृती आजीविका संकुल स्तरीय संघ एवं झिरन्या के जीवन ज्योति आजीविका संकुल स्तरीय संघ के सदस्यो को 12 लाख 70 हजार रु के दो मारुती इको वाहन प्रदान किये गये। उक्त कार्यक्रम में स्व सहायता समूहों की 70 महिलाओं व वि.ख. खरगोन जनपद पंचायत खरगोन के आजीविका मिशन वि.ख. प्रबंधक धर्मेन्द्र दुबे व अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

8 हजार 245 युवाओं को वितरित हुआ ऋण

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में भी युवा दिवस के उपलक्ष्य में राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी एवं कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा तथा केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल के प्रतिनिधि कृष्णा गोले ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रतीकात्मक रूप से 100 युवाओं को स्वीकृत ऋण के प्रपत्र एवं वाहनों की चाबी वितरित की। वहीं भोपाल में आयोजित मुख्यमंत्री के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी एलईडी के माध्यम से उपस्थित युवाओं को दिखाया गया। जिसे जनप्रतिनिधियों ने भी युवाओं के साथ बैठकर देखा।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने बताया कि, केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगारमुखी बनाने के लिए कई योजनाए संचालित कर रही है। इस योजनाओ के तहत बड़ी संख्या में युवा महिला-पुरूष लाभान्वित हो रहे है। इससे जहाँ युवा आत्मनिर्भर बन रहे है, वहीं देश के उन्नति में भी अपना योगदान दे रहे है। इस दौरान उन्होने उपस्थित युवाओं से आव्हान किया इन योजनाओं का वे अपने स्तर से भी प्रचार-प्रसार करें। जिससे अन्य युवा भी उन्हे समझकर लाभ उठा सके।

कलेक्टर ने बताया कि, युवा दिवस पर सम्पूर्ण जिले में एक हजार 910 युवाओं को 960.49 लाख रूपये के स्वीकृति पत्र सौपे जा रहे है। इसमें से सौ युवाओ को कोविड प्रोटोकाल के मददेनजर प्रतीकात्मक रूप से स्वीकृति पत्र दिये जा रहे है। जबकि अन्य युवाओं को भी उनके स्वीकृति संबंधित शाखा प्रबंधको के माध्यम से दिये जायेंगे।

कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक उद्योग केएस सोलंकी ने बताया कि, जिले में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण एवं शहरी आजीविका मिशन योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथकर विक्रेता योजना तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, कृषि कल्याण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, खाद्य विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के तहत अभी तक 6 हजार 335 युवाओं को 36 लाख 97 हजार 31 रुपए के स्वीकृति पत्र पूर्व में वितरित किये जा चुके है। वहीं उक्त योजनाओं में एक हजार 910 युवाओं को 9 लाख 60 हजार 49 रुपए के स्वीकृति पत्र और सौपे जा रहे है।

वर्षों से जहर बेचकर अपना परिवार पाल रहे , न कोई प्रतिबंध न लायसेंस की जरूरत

साप्ताहिक हाट बाजार में खरीददार करते है इनका इंतजार

माही की गूंज, आम्बुआ। मयंक विश्वकर्मा

दो जून की रोटी और कपड़ा-मकान की व्यवस्था करने हेतु लोग या तो मेहनत मजदूरी करते हैं या नौकरी करते हैं या फिर खेती किसानी अथवा व्यापार में लगे रहते हैं। मगर व्यापार में जब जहर बेचा जाए और वह भी वर्षों से बेचा जाता आ रहा है तथा खरीदने वाले साप्ताहिक हाट बाजारों में इन जहर विक्रेताओं का इंतजार करते हो तो आश्चर्य होगा, मगर ऐसा होता है।

मनुष्य की जिंदगी में तीन चीजों की जरूरत होती है रोटी, कपड़ा और मकान जिसकी व्यवस्था होश संभालते ही करना पड़ जाती है। इन चीजों की प्राप्ति हेतु विभिन्न प्रयास करना होता है। मेहनत मजदूरी तथा नौकरी व्यवसाय का अर्थोपार्जन किया जाता है। इन्ही व्यवसाय में साप्ताहिक हाट बाजार में वर्षों से जहर बेचने वाले की हम बात कर रहे हैं। साप्ताहिक हाट बाजार में इधर-उधर से जोरदार आवाज गूंजती है, वह आवाज है चूहा मार, खटमल मार (ग्रामीण भाषा में वे उंदरा मार, मांकणिया मार) दवाई ले। व्यवसाई वर्षों से हाट बाजारों में चूहा मार, खटमल मार, कोकरोज मार तथा चीटियां मारने वाली दवाई जहर बेच रहे हैं। इन जहर विक्रेताओं को न तो लाइसेंस की जरूरत होती है और ना ही इन पर कोई प्रतिबंध होता है। ये लोग जहां से यह सामग्री (जहर) खरीदते हैं उन विक्रेताओं के पास भी कोई लाइसेंस आदि होता होगा पता नहीं। इन जहर विक्रेताओं का ग्रामीण ही नहीं अपितु शहरी भी साप्ताहिक हाट बाजार में इंतजार करते हैं ताकि वे अपने घरों में चूहे, खटमल, कॉकरोच तथा चींटो, चीटियां आदि जीव जंतु मारकर चेन की नींद सो सके। उक्त विक्रेताओं से बात करने पर बताया कि, यह धंधा उनके परिजन तथा अब वे स्वयं वर्षों से बिना रोक-टोक करते आ रहे हैं। इनकी बिक्री से होने वाली आय से वे अपना तथा परिवार का भरण पोषण करते हैं।

सड़क पर गड्ढों की भरमार बाईक से गिरकर युवक घायल

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे से बाहर जोबट तिराहे से लेकर बाजार तक की सड़क जिसकी मरम्मत नहीं होने के कारण गहरे गड्ढे हो जाने के कारण दुर्घटना का भय बना रहता है। इन्हीं गड्ढों के कारण एक युवक जख्मी होकर अस्पताल ले जाना पड़ा।

आम्बुआ बाजार की सड़क जो कि एक रिंग रोड के समान है यह सड़क आम्बुआ-जोबट तिराहे से लेकर आम्बुआ में घूमकर बस स्टैंड पर मिलती है। गोलाकार सड़क तिराहे से लेकर कस्बा तक अनेक स्थानों पर या तो उखड़ रही है या फिर गहरे-गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इस सड़क की मरम्मत का कार्य कई वर्षों से नहीं होने से स्थिति खराब हो गई है। सड़क किनारे घरेलू नल बाहर होने से नलों का पानी बहने के कारण सड़क कमजोर हो रही है तथा अन्य क्षेत्रों में वाहनों के कारण सड़कों पर गहरे गड्ढे पड़ रहे हैं। आम्बुआ में गणेश मिनरल क्षेत्र प्रमुख मार्ग तथा नए एवं पुराने बस स्टैंड, स्वास्थ्य परिसर क्षेत्र, पंचायत प्रांगण क्षेत्र के साथ ही बोहरा मस्जिद क्षेत्र में सड़क कई स्थानों पर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। प्रमुख मार्ग में एसबीआई एटीएम के समीप सड़क बने गहरे गड्ढे में विगत दिनों मोटरसाइकिल उछल जाने के कारण पीछे बैठे युवक उछल कर सड़क पर गिरा, जिस कारण उसके सिर में गंभीर चोट लगी। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर कई घंटे बाद होश में आया तथा उसके सिर में टाके लगाना पड़े। समय पर उपचार मिल जाने से युवक की जान बच सकी। कस्बा आम्बुआ के नागरिकों तथा वाहन मालिकों एवं वाहन चालकों की मांग है कि, सड़क के गड्ढों को तत्काल भर कर मरम्मत कार्य कराया जाए ताकि भविष्य में ये गहरे गड्ढे जानलेवा न बने।

कार्य में कोताही पर 5 अधिकारी-कमर्चारियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम केरली में आयोजित जन कल्याण शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं के आवेदन भी हितग्राहियों से प्राप्त किये गए। शिविर में काम को लेकर कोताही बरतने पर 5 अधिकारी एवं कमर्चारियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गए है। शिविर में विशेष रूप से सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग सुश्री जानकी यादव उपस्थित हुईं। शिविर में विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी-कमर्चारीगण भी उपस्थित थे। शिविर में विभागीय अधिकारीगण ने ग्रामीणों को विभागों की योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

शिविर में सहायक आयुक्त सुश्री यादव ने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि, एक सप्ताह के भीतर पुनः ग्राम में शिविर आयोजित कर हितग्राहियों के जन कल्याणकारी योजनाओं संबंधित आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया की जाए। शिविर के दौरान पाया गया कि, ग्राम में आँगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा 0.5 वर्ष के बच्चों का वजन नहीं किया गया। साथ ही 15 से 18 आयु वर्ष के शाला अप्रवेशी बच्चों की जानकारी भी सीडीपीओ के पास उपलब्ध नहीं थी। क्षेत्र में सुपरवाईजर व सीडीपीओ का प्रभावी नियंत्रण नहीं पाये जाने पर दोनों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। वहीं ग्राम में कार्यरत एएनएम शकुंतला मुजाल्दे के एक माह से मेडीकल अवकाश पर होने तथा बीएमओ कड्डीवाडा द्वारा कोई अन्य व्यवस्था नहीं किये जाने पर बीएमओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया तथा ग्राम में स्वास्थ्य व आयुष्मान भारत योजना के तहत कैम्प लगाकर सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएँ वितरित करने के निर्देश दिए गए। वहीं ग्राम पंचायत को एक वर्ष पूर्व से ग्राम में नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, सीसी रोड, पानी निकासी की नालियाँ बनाने के निर्देश दिए जाने बावजूद अब तक कोई कार्य प्रारंभ नहीं करने पर जनपद सीईओ कड्डीवाडा व ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गए।

ग्राम में वन अधिकार पत्र का वितरण नहीं होने की शिकायत मिलने पर सीईओ जनपद व सचिव ग्राम पंचायत को ग्राम स्तरीय वन समिति की बैठक आयोजित कर नवीन आवेदन लेकर परीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए। ग्राम में परिवारों के समग्र आईडी अलग करने एवं खाद्यान पर्ची अलग बनाने की माँग की गई। ग्राम पंचायत सचिव सेल्समैन को ग्राम में सर्वे कर आवेदन प्राप्त कर आवयक कार्यवाही सुनिचित करने के निर्देश दिए गए। गैस एजेंसी संचालक को उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं का पंजीयन करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को मिट्टी परीक्षणए सोईल कार्ड बनाने बीज मीनिकिट वितरण करने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग द्वारा योजनाओं के पैम्पलेट बाँट कर हितग्राहियों के आवेदन हेतु योजनाओं की जानकारी दी गई। पशु चिकित्सा विभाग को ग्राम के योग्य लडकों गोपाल नियुक्त करवाकर प्रशिक्षण दिलाने बैकयार्ड योजना में हितग्राहियों का चयन कर मुर्गी पालन व बकरी पालन का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। आधार कार्ड पंजीयन आयुष्मान कार्ड व ई श्रमिक कार्ड पंजीयन हेतु सीएससी को निर्देश दिए हैं। जन अभियान परिषदए ग्रामीण आजीविका मिशन के नोडल को ग्राम के युवाओं में जागृति लाने योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए।

कोरोना दे रहा दस्तक, नहीं सम्हल रहे लोग

माही की गूंज, आम्बुआ।

कोरोना की तीसरी लहर का मानो आगाज हो रहा है। प्रदेश की व्यापारिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में प्रतिदिन कोरोना के मरीज मिल रहे हैं इसी के साथ ही अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। अलीराजपुर जिले के आम्बुआ के समीप ग्राम बोरझाड़ में भी एक महिला शिक्षिका की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से ग्राम में हलचल बढ़ी है। विगत वर्ष इसी ग्राम के दो सगे भाई भी कोरोना के कारण समय दुनिया से चले गए थे। बावजूद ग्राम के निवासी अभी भी बीमारी को हल्के में ले रहे हैं तथा कोरोना गाइडलाइन का पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं।

इसलिए वर्षों से संपूर्ण विश्व में तहलका मचाने वाला कोरोना अब पुनः सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। दूसरी लहर के बाद इसके मरीजों में बहुत अधिक कमी आने के कारण शासन द्वारा कई छूटे दी जाकर स्थिति सामान्य की गई थी। हालांकि तीसरी लहर की भविष्यवाणी वैज्ञानिकों ने कर रखी थी जो कि अब दिखाई देने लगी है। शासन द्वारा इसकी रोकथाम हेतु कोरोना गाइडलाइन का पालन करने पर जोर दिया जा रहा है, मगर उसका पालन कहीं पर भी होता नजर नहीं आ रहा है। बाजारों में बेतहाशा भीड़, बैंकों तथा कियोस्क सेंटर, निजी तथा सरकारी अस्पतालों में, बस स्टैंडों, यात्रियों से भरी-भरी बसों, शिक्षण संस्थाओं आदि में प्रतिदिन सैकड़ों की भीड़ देखी जा रही है। मगर इनमें न तो मास्क लगाया जा रहा है न ही शारीरिक दूरी का पालन हो रहा है। आम्बुआ के समीप ग्राम बोरझाड़ में एक महिला शिक्षिका पॉजिटिव पाई गई इसके बावजूद आम्बुआ एवं बोरझाड़ में सब कुछ सामान्य बना हुआ है। दुकानों पर न तो व्यापारी और न ही ग्राहक कोरोना गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं इधर प्रशासन की सख्ती भी कहीं दिखाई नहीं दे रही है जो कि जरूरी मानी जा रही है।

फ्लोरोसिस नियंत्रण परियोजना के श्रमिकों को नहीं मिल रही मजदूरी

माही की गूंज, अलीराजपुर। **श्रमिकों ने विधायक पटेल को दिया आवेदन**

फ्लोसिसिस नियंत्रण परियोजना के 20 श्रमिको को नियमित रूप से मजदूरी नहीं मिलने पर उक्त 20 श्रमिको ने विधायक मुकेश पटेल को आवेदन सौंपकर मजदूरी दिलवाने और काम से नहीं निकालने की मांग की। जिस पर विधायक पटेल ने मजदूरों द्वारा दिए गए आवेदन को सीएम, कलेक्टर और पीएचई के वरिष्ठ अधिकारियों को भिजवाकर मामले की जांच करवाने और मजदूरों को नियमित मजदूरी दिलवाने की बात कही।

सौंपे गए आवेदन में उक्त 20 मजदूरों ने बताया कि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत फ्लोरोसिस नियंत्रण परियोजना 34 ग्रामो की फ्लोराईड प्रभावित समूह जल प्रदाय योजना अलीराजपुर में पिछले 25-30 वर्षों से संचालित है। इस योजना में हम आवेदक 20 लोग वर्ष 2003 से सतत नियमित रूप से कार्य करते आ रहे है और कार्य के बदले हमें नियमित रूप से मानदेय-मजदूरी भी मिलती आ रही है थी। 15-20 वर्षों का कार्यानुभव होने से तकनीकि कार्य भी संपादित करते है। परंतु पिछले दो वर्षों से उक्त 34 गांवो की फ्लोराईड प्रभावित समूह जल प्रदाय योजना का संचालन-क्रियान्वयन निजी क्षेत्र ग्लोबल कन्स्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर्स के राजू पिता दिनेश शाह द्वारा किए जाने के बाद हम कुल 20 कुशल श्रमिकों को ठेकेदार द्वारा कार्य के बदले मजदूरी का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। जब भी हम ठेकेदार के पास नियमित रूप से मजदूरी प्राप्त करने के लिए अलीराजपुर में उनके घर जाते है, तो हमें मजदूरी का भुगतान नहीं करते हुए दुर्व्यवहार कर काम से निकालने की धमकी देकर डरा दिया जाता है।

श्रमिको ने बताया कि, इस संबंध में हम शेष मजदूरी का भुगतान संबंधित ठेकेदार से करवाने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उपयंत्री, सहायक यंत्री व कार्यपालन यंत्री के समक्ष उपस्थित होकर लिखित में आवेदन प्रस्तुत करते है। तो संबंधित अधिकारी हमारा आवेदन ही नहीं लेते है और किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं करते है। ठेकेदार के खिलाफकिसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं करते है और हमारी शेष मजदूरी का भुगतान नहीं करवाते है। पिछले दो वर्षों के दौरान हम 20 मजदूरों को नियमित रूप से मजदूरी का भुगतान नहीं किये जाने के कारण हम गरीब मजदूरों के परिवार को आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होना पड रहा है।

उक्त मजदूरों ने विधायक पटेल को आवेदन सौंपकर मांग की है कि, हमारे परिवारों की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ़ उचित कार्रवाई कर हमारी शेष मजदूरी का भुगतान कराने और ठेकेदार द्वारा हमे कार्य से नहीं निकालने की अपेक्षा करते है।

इनका नही हुआ भुगतान

ग्राम बेहडवा के सिलदार पिता नसरिया को 3 माह की मजदूरी 24 हजार रूपए, दादाभाई हरसिंह को 2 माह की 16 हजार रूपए, साहदर रावलिया को 7 माह की 42 हजार रूपए, जगला भीमसिंह को 8 माह की 48 हजार रूपए, किसराम सादु को 7 माह की 42 हजार रूपए, गणपत नानसिंह को 5 माह की 40 हजार रूपए, मुकाम दितला को 3 माह की 24 हजार रूपए, गणपत पिता भुरलिया को 7 माह की 42 हजार रूपए, वालसिंह रेशिया को 16 माह की 96 हजार रूपए, वाकसिंह तिन्छा को 10 माह की 60 हजार रूपए, ग्राम खरपई के छगन कुलिया को 9 माह की 54 हजार, शंकर वेस्ता को 6 माह की 39 हजार रूपए, रमेश कुलीया को 5 माह की 35 हजार रूपये, देलवानी के बहादुरसिंह नुरला को 8 महीने की 56 हजार रूपये, मगन नानसिंह को 4 महीने की 32 हजार रूपये, तीती के वेरसिंह हिरलीया को 7 माह की 49 हजार रूपये, मुकाम बाउ को 7 माह की 42 हजार रूपये, वालपुर के पातालसिंह हिरला को 3 माह की 24 हजार रूपये, फाटा के मगन मालसिंह को 7 माह की 42 हजार रूपए और बेगडी के भुरला को 10 माह की 40 हजार रूपये। इस प्रकार कुल 20 मजदूरों 8 लाख 47 हजार रूपए मजदूरी का भुगतान लंबे समय से नहीं किया गया है।

लापरवाही: बिना मास्क के बाजार में घूम रहे लोग, सोशल डिस्टेंसिंग का भी नही हो रहा पालन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर में लोगों नें कोरोना गाईडलाइन की उड़ाई जा रहीं धज्जियां। मध्यप्रदेश में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। नए वेरिएंट के अब तक 26 मरीज मिल चुके हैं। इसके बाद भी अलीराजपुर शहर में लोग लापरवाही बरत रहे हैं। शहर की सड़कों पर लोग बिना मास्क लगाए ही घूम रहे हैं। दुकान, मंडी सहित कई जगह पर भीड़ उमड़ रही है। यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी नहीं हो रहा है। लोग कलेक्टर के आदेश को हवा में उड़ा रहे हैं।

कलेक्टर मनोज पुष्प ने कुछ दिन पूर्व आदेश जारी कर कहा था कि, सार्वजनिक एवं कार्यस्थलों पर यदि कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के नहीं घूमेगा। कार्रवाई का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया जाएगा। संस्थानों, प्रतिष्ठानों, दुकानों में काम करने वाले हर कर्मचारी को दोनों डोज लगा होना कंपलसरी है। यहां पर दुकानों में आने वाले ग्राहकों को मास्क नहीं तो सामान नहीं देना है। ऐसा करते पाए जाने पर दुकानदार पर जुर्माना वसूला जाएगा। हालांकि इस आदेश का कहीं पालन होता दिख नहीं रहा है।

जिले व नगर में नहीं की जा रही चेकिंग, चेहरों से मास्क गायब

लापरवाही साप्ताहिक हाट बाजार में भीड़ देखने को मिली कोरोना महामारी की दो लहरें झेल चुके लोग अभी कोरोना के खतरे से उभर भी नहीं पाए कि, शहर के बाजार में फिर संक्रमण के प्रति लापरवाही नजर आने लगी है। लोगों के मुंह से मास्क हट गए हैं और शारीरिक दूरी को भुला दिया गया है। इधर प्रशासन की इस ढील का असर बाजार के अलावा, प्रमुख चौराहों पर भी देखने को मिल रहा है। नगर में रोको टोको अभियान भी नही चलाया जा रहा है। जिसमे लोगो की लापरवाही बढ़ती जा रही हैं। लापरवाही से जिले में कुल 26 केस एक्टिव है।

बढ़ती जा रही लापरवाही

कोविड संक्रमण की दो लहरों में मचे हाहाकार से लोगों ने सबक नहीं लिया है। टीका लगवाने में लापरवाही के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क लगाने को लेकर भी लोग लापरवाही करने लगे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग तो पूरे शहर में कहीं नजर नहीं आती है। शहर के मुख्य बाजार, प्रमुख सड़कों, बस स्टैंड और साप्ताहिक बाजार में लोग बिना मास्क के नजर आ रहे हैं। जबकि एक्सपर्ट ने टीका लगवाने के बाद भी मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग व सेनेटाइजेशन का पालन करने की बार बार हिदायत दे रहे हैं।

फुटपाथ और दुकानों पर गाईडलाइन का पालन नहीं

कोरोना गाईडलाइन का फुटपाथ दुकानों पर पालन नहीं किया जा रहा है। वहीं, बाजार में इन दिनों ठेले वालों के पास भीड़ देखने को मिल रही है। सड़क किनारे सस्ते सस्ते सामान के चक्कर में इनके पास ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है। वहीं दुकानदार मास्क को गले में लटकाकर सामान बेचते दिखाई देते हैं। ऐसी भीड़ संक्रमण को न्योता दे रही है। शहर की सड़कों पर पैदल, साइकिल, दो पहिया और चार पहिया वाहन से आवागमन करने वाले ज्यादातर लोग बिना मास्क के ही नजर आ रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गो पर किसी भी समय बिना मास्क के गुजरते लोग नजर आ जाते हैं। जबकि प्रशासन ने मास्क को लेकर चालानी कार्रवाई शुरू नहीं कि है। लापरवाही अब भी जारी है।

पूर्ण क्षमता से संचालित हो रही है स्कूल

कोरोना संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। इस बीच प्रदेश की शिवराज सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। स्कूलों में 100 फीसदी जगह 50 फीसदी बच्चों की उपस्थिति होगी। महज 50 फीसदी के साथ मध्यप्रदेश के स्कूल संचालित होंगे। पर स्कूल संचालक सरकार के आदेश को हवा में उड़ते नजर आ रहे है। नही सरकार के आदेश को मान रहे है और स्कूलों को पूर्ण क्षमता से संचालित कर रहे है। कही ना कही ये लापरवाही भारी पड़ सकती है।

दिया तले अंधेरा: राजस्व सीमा क्षेत्र में सड़क निर्माण, ठेकेदार की मौज

बिना अनुमति चल रहा अवैध उत्खनन का कार्य, सूचना अधिकार से मिली जानकारी में हुआ खुलासा

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पेटलावद राजस्व अनुभाग के पूरे क्षेत्र में कई बहारी ठेकेदार रोड निर्माण कार्य मे लगे हैं, बीते एक-दो वर्ष में विकास खण्ड में कई सड़क निर्माण का कार्य चल रहे है, तो कुछ कार्य अंतिम चरण में पहुँच गए हैं। निर्माण कार्य के दौरान बड़ी मात्रा में मोरम और नदी के बंटे का उपयोग होता है, ठेकेदार इसकी पूर्ति किस खदान, नदी या शासकीय सर्वे नम्बर से करेगा या माल उठाएगा इसके लिए नियमानुसार राजस्व विभाग से अनुमति लेनी होती हैं, जिसका आवेंदन अनुविभागीय अधिकारी या तहसीलदार को करना होता है। आवेंदन के बाद क्षेत्र के हल्का पटवारी अपना जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हैं, जिसके आधार पर सरकारी या निजी सर्वे नम्बर से उत्खनन की अनुमति राजस्व विभाग से ली जाती है और शासन द्वारा निर्धारित शुल्क भी वसूला जाता है, जिसकी पूरी प्रक्रिया विधिवत करना होती है। लेकिन क्षेत्र में काम करने वाले ठेकेदार ऐसा कुछ नही करते जिसकी जानकारी के लिए कुछेक रोड निर्माण के लिए ठेकेदार द्वारा उत्खनन संबधी अनुमति लेने की जानकारी सूचना अधिकार अधिनियम के माध्यम से ली और जो जवाब मिला वो बेहत ही चोकाने वाला सामने आया।

आरटीआई में हुआ खुलासा किसी ठेकेदार ने उत्खनन के लिए राजस्व विभाग में कोई आवेदन तक नहीं दिया

मामले की जानकारी के लिए जब इस संबंध में राजस्व कार्यालय में आरटीआई के माध्यम से पूछा गया कि, ग्राम करडावद से करवड़ और गोपालपूरा से धोधड़ तक बनाए जा रहे डामरीकरण रोड निर्माण हेतु निर्माण एजेंसी द्वारा किन शासकिया सर्वे नम्बरों से मोरम खनन हेतु अनुमति दी गई, उन सर्वे नम्बरों की जानकारी एजेंसी द्वारा प्रस्तुत आवेंदन, पटवारी प्रतिवेदन और अनुमति की प्रामाणित प्रति चाही गई। लेकिन जो जवाब आरटीआई के जवाब में आया वो बेहत ही चोकाने वाला था। राजस्व विभाग ने अपनी और से दी गई जानकारी में बताया कि, निर्माण एजेंसी द्वारा किसी भी प्रकार की अनुमति राजस्व कार्यालय से नही दी गई न ही कोई आवेंदन प्राप्त हुआ।

– गोपालपुरा-धोधड़ मार्ग पर ठेकेदार द्वारा सैकड़ो डम्फर मोरम बिना राजस्व की अनुमति के खनन् कर डाल दिया, यही हाल करडावद से करवड़ मार्ग पर भी है।

उक्त जानकारी राजस्व विभाग द्वारा 7 अप्रैल 2021 को दी गई, जब इन रोडो पर मोरम और नदी का बंटा बिछाने का कार्य चल रहा था। जानकारी देने के बाद तत्कालीन तहसीलदार जितेंद अलावा ने गिरदावर और पटवारी की टीम गठित कर जांच का भी आश्वासन दिया था, लेकिन राजस्व रेकॉर्ड में ऐसा कोई प्रकरण दर्ज नही हुआ।

राजस्व विभाग की भूमिका संदेहास्पद, पटवारी के माध्यम से ठेकेदार जमा लेते हैं सेटिंग

वैसे तो शासकीय सर्वे नम्बर से किसी भी प्रकार का उत्खनन बिना अनुमति के करना अपराध है, जिसके लिए शासन ने भारी जुर्माना और वाहन तक राजसात करने के नियम बना रखे है, लेकिन ये सब नियम स्थानीय स्तर पर छोटे कार्य करने वालो पर ही लागू होते हैं। बड़े ठेकेदार निर्माण के साथ ही रॉयल्टी जमा होने के नाम पर मनचाहे शासकीय नम्बर से उत्खनन कर लेते हैं। पूरे मामले में राजस्व विभाग की भूमिका संदेहास्पद नजर आ रही है जिसका मामला संज्ञान में आने के बाद भी कोई प्रकरण या जांच नही की गई। पूरे मामले में सबसे बड़ी कड़ी निर्माण क्षेत्र का हल्का पटवारी होता हैं, जिसकी जानकारी में पूरा कार्य ठेकेदार करता है और शासकीय परेशानी से बचने के लिए पटवारी भी भेंट पूजा कर अपना कार्य कर लेता है और शिकायत अखबार की खबरों के बाद वही ठेकेदार पटवारी के माध्यम से राजस्व अधिकारीयो से भी साठ-गांठ कर लेता है। चुकी ये ठेकेदार बड़े शहरो से आते हैं अपने राजनीतिक रसूक और किसी बड़े नेता का नाम आगे कर मामला वही रफ़ा-दफ़ा कर देते हैं।

बामनिया-रायपुरिया मार्ग पर साइट भराव के कार्य की अब तक नहीं ली सूध, कार्रवाई का आश्वासन

गूंज के पिछले अंक में बामनिया से रायपुरिया मार्ग पर चल रहे साइड भरने के कार्य मे अवैध रूप से उपयोग में लाए जा रहे मोरम का खुलासा किया था, जिसके बाद राजस्व विभाग की ओर से तहसीलदार जगदीश वर्मा ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था। लेकिन अब तक कोई जांच के आदेश सामने नही आए है, जो कही न कही राजस्व ओर हल्का पटवारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में इन बड़े रसूखदार, रोड ठेकेदारो द्वारा किए जा रहे बिना अनुमति उत्खनन पर लगाम लगेगी या कोई कार्रवाई होगी इस पर संशय है।

खनिज विभाग की मिलीभगत

कहने को तो अवैध उत्खनन कार्यो पर कार्रवाई के लिए पूरा-पूरा खनिज विभाग अलग से बना हुआ है, लेकिन किसी भी कार्य के पहले खनिज विभाग के अधिकारियों तक उनकी भेंट पूजा की राशि पहुँच जाती है, जिसके बाद वो इन कार्यो की तरफरुख तक नही करते। रोड निर्माण में भारी मात्रा में लगने वाली गिट्टी सप्लाई के लिए ये ठेकेदार स्थानीय क्रेशर मालिको के माध्यम से अपना काम खनिज विभाग से मिलीभगत कर निकाल लेते हैं। राजस्व ओर खनिज के अधिकारी अपने व्यारे-न्यारे कर सरकार को लाखो के राजस्व का नुकसान कर रहे है। गूंज के माध्यम से मामला राजस्व मंत्री एवं खनिज मंत्री तक भेजा जाएगा ताकि अवैध उत्खनन में लगे ठेकेदार और उनकी सहयोग करने वाले अधिकारियों पर उचित कार्रवाई हो सके।

स्कूटर सवार ने गोली चलाकर बाज़ार में मचादी अफरा-तफरी

माही की गूंज, रतलाम।

शहर में चाकूबाजी की घटना एक समय आम हो चुकी थी, लेकिन बदलते परिवेश में गुंडों, बदमाशो ने अवैध हथियार रिवाल्वर, पिस्तौल, देशी कट्टे का उपयोग शुरू कर दिया है। नतीजन आए दिन शहर सहित क्षेत्र भर में हो रही वारदातों में इन हथियारो का इस्तेमाल देखा जा रहा है।

रतलाम पुलिस ऐसे कई मामले उजागर कर अपराधियों को दबोच चुकी हैं जिनमे अपराधियो ने अवैध बंदूक या देशी कट्टे का उपयोग किया है। लेकिन पुलिस आज तक इस पर कोई खुलासा नही कर पाई है कि, अवैध हथियारों की ये खेप कहा से और कैसे आ रही है, न ही आज तक इन अपराधों के माध्यम से कोई अवैध हथियार सप्लाई करने वाली गैंग पकड़ी गई। जिसके चलते अवैध हथियारों का उपयोग आम हो गया है।

बुधवार को दोपहर में शहर ऐसी ही एक वारदात से थर्रा गया। शहर के लोकेन्द्र टाकीज चौराहे पर दोपहर के समय सनसनी फैल गई, जब स्कूटर पर सवार होकर आए तीन युवकों में से एक ने चौराहे पर खडे एक युवक पर रिवाल्वर से फायर कर दिया। गोलीबारी की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। बताया जा रहा है, गोली युवक के पेट को रगडते हुए निकल गई। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फायरिंग की यह घटना बुधवार दोपहर करीब दो बजे हुई। गोलू बाबा, सुनील, दीपक और गोपाल परमार का कहना है कि, वो चारों चौराहे पर खडे होकर बातें कर रहे थे कि, सडक की दूसरी ओर तीन युवक स्कूटर पर सवार होकर वहां पंहुचे जिसमे से दो युवक तो स्कूटर पर ही बैठे थे, जबकि एक युवक स्कूटर से उतर कर आया और उसने सडक के दूसरी तरफ आकर रिवाल्वर से गोपाल परमार पर फायर किया। गोपाल भाग्यशाली रहा कि, गोली उसके पेट को छूती हुई निकल गई और उसे बेहद मामूली चोट आई। कुछ लोगों ने फायर करने वालों का पीछा भी किया, लेकिन वे स्कूटर पर बैठ कर जेल रोड की तरफभाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल भी मौके पर पंहुच गया। सीएसपी हेमन्त चौहान समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पंहुच गए। पुलिस की टीमें अलग-अलग इलाकों में हमलावरों की खोज कर रही है। घटना के बाद बाज़ार में एक बार फिर दहशत का माहौल है।

ब्लासि्ंटग के टोटे घर में रखे, हो सकता है बड़ा हादसा, शिकायतकर्ता ने एसडीएम को दिया आवेदन

माही की गूंज, पेटलावद। अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत के पास पहुँचे शैलेन्द्र सिंह राठौर ने कुछ ऐसी शिकायत की के पेटलावद ब्लास्ट की धुंधली हुई तस्वीरे ताज़ा ही गई। शैलेन्द्र सिंह राठौर निवासी छोटी गेहन्दी ने एसडीएम को आवेदन देते हुए बताया कि, घर के पास रहने वाले विजयसिंह राठौर, हेमंतसिंह राठौर के द्वारा अवैध रूप से ब्लासि्ंटग का कार्य किया जाता है और उनके घर मे ब्लासि्ंटग के टोटे रखे हुए है जिनके फुटने से कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। शिकायतकर्ता का कहना है कि, ग्रामीणों द्वारा इनको समझाईश भी दी गई, लेकिन इनके द्वारा ब्लासि्ंटग का सामान रियाहशी इलाके से नही हटाया गया जो किसी बड़ी जनहानि को आंमत्रण दे रहे हैं। शिकायतकर्ता ने अनुविभागीय अधिकारी को आवेंदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

एक वर्ष में बायपास की हकिकत आई सामने, वाहनों की कम आवाजाही के बाद भी उखड़ गए रोड

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड में होने वाले निर्माण कार्य भगवान भरोसे ही है, फिर चाहे कार्य कौनसे भी विभाग के पास हो। पेटलावद-बामनिया मार्ग पर बदनावर मार्ग पर नगर को छोड़ कर सीधे स्टेट हाइवे पर पहुँचने के लिए पम्पावती नदी पर पुल और लगभग डेढ़ किलोमीटर सडक का निर्माण किया गया, जो महाविद्यालय के पास से होकर सीधे थांदला-बदनावर स्टेट हाइवे पर निकलता हैं। मार्ग के ठेकेदार ने पुलिया निर्माण तो कर दिया, लेकिन सड़क निर्माण को अधूरा छोड़ दिया जिससे मार्ग अनुपयोगी साबित हो रहा था। समाचार पत्रों में लगातार मामला उठाने के बाद पीडब्ल्यूडी ने कार्य की सूद ली और इंदौरी ठेकेदार पर दबाव डालकर अधूरे मार्ग को पूरा करवाया, लेकिन ठेकेदार ने उक्त बायपास मार्ग का इतना घटिया निर्माण किया कि एक वर्ष भी मार्ग नही चला और जगह-जगह से रोड उखड़ गया। पुलिये के आसपास की सड़क तो पूरी तरह से गायब हो गई। सबसे बड़ी बात इस मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों की संख्या बेहत कम है, क्योंकि स्टेट हाइवे पर आने वाले वाहन बामनिया होकर नहीं निकलते और झाबुआ-रतलाम मार्ग छोड़कर भी भारी वाहन इधर नही आते ऐसे में इस मार्ग से छोटे और हल्के वाहनों की आवाजाही रहती है फिर भी बाइपास मार्ग एक वर्ष भी नही चल पाया।

लोकनिर्माण विभाग एसडीओ नहीं उठाती फोन

पेटलावद विकास खण्ड के लोक निर्माण विभाग की अनुविभागीय अधिकारी रेशम गामड़ द्वारा किसी कार्य पर ध्यान नही दिया जाता, मेडम इतनी व्यस्त होती है कि कभी उनका फोन अटेंड नही होता, न ही वो समय पर कार्यालय में मिलती है। इस मार्ग के संबंध में भी पीडब्ल्यूडी एसडीओ रेशम गामड़ से बात करना चाही लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उनका कॉल अटेंड नही हुआ।

15 जनवरी को लाभकारी होगी मकर सक्रांति, सजी पतंग-डोरों की दुकानें

माही की गूंज, झाबुआ।

मकर सक्रांति पर्व इस वर्ष 15 जनवरी, रविवार को मनाया जाएगा। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 एवं 15 जनवरी दो तिथियों को लेकर असमंजस बरकरार है। तिथि अनुसार जहां मकर सक्रांति 14 जनवरी को है, तो वहीं ज्योतिषों के अनुसार 15 जनवरी को यह पर्व मनाना लाभकारी एवं पावनकारी साबित होगा।

मकर सक्रांति को लेकर शहर के बाजारों में पतंगों और धागों की दुकाने सजी हुई है, जहां खरीदारी का दौर जोर-शोर से चल रहा है। मकर सक्रांति पर दान-पुण्य का विशेष महत्व होने के साथ ही इस दिन लोगों द्वारा पतंगे उड़ाने के साथ महिलाओं, युवतियां और बालिकाओं द्वारा गली-मौहल्लों और मैदानों में गिल्ली-डंडे भी खेले जाते है। पतंग व्यवसायियो ने बताया कि, पतंगों में इस बार राजनेताओ और तिरंगा वाली पतंग अधिक बिक रहीं है। पतंग 5 से लेकर 50 रू. तक की उपलब्ध है। वहीं धागों में भी अलग-अलग वैराईटियों में 50 से लेकर करीब 2 हजार रूपये तक के धागे है, जिनकी बिक्री अच्छी हो रहीं है।

दान-पुण्य करने का अत्यधिक महत्व

मकर सक्रांति पर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व रहता है। इस दिन लोग अपने घरों पर तिल-पपड़ी से बने व्यंजनों का लुत्फ उठाते है, तो दान में गौ-माताओं को हरी सब्जी, घास, चारा, हरे छोड़, लाप्सी, गुड़ आदि खिलाने से भी अत्यंत पुण्य का अर्जन होता है। सक्रांति पर शहर के साथ ग्रामिण अंचलो में भी दिनभर उत्साह बना रहता है।

सीएससी व बीआरसी के संज्ञान के बाद भी बच्चों को नहीं मिल पा रहा सुचारू रूप से मध्यान भोजन

माही की गूंज, खवासा।

खवासा बालक संकुल के अंतर्गत ग्राम पंचायत भामल के ग्राम रूपापाड़ा की आमली फ़लिया में स्थित शा. प्रा. विद्यालय में कुल 35 विद्यार्थी दर्ज है, लेकिन यहां 10-12 बच्चे ही प्रतिदिन आते हैं। बच्चों की उपस्थिति कम होने का कारण जाना तो मुख्य कारण मध्यान भोजन का सुचारु रुप से नहीं मिलना भी सामने आया।

उक्त संस्था में दो शिक्षक है जिसमें विक्रमसिंह सोलंकी जो कि पूर्व से पदस्थ है, जिसकी बीमारी के चलते शारीरिक व मानसिक स्थिति पूर्णतः सही नहीं है। वहीं इस वर्ष एक नए शिक्षक के रूप में सुरेश पाटीदार को पदस्थ किया गया।

शिक्षक सुरेश पाटीदार का कहना है, हम बच्चों की उपस्थिति शाला में शत-प्रतिषत हो इसके लिए दर्ज बच्चों के माता-पिता से घर-घर जाकर स्कूल भेजने के लिए कहते हैं, पर अभी बच्चों की उपस्थिति 10-12 ही हो रही है। हां यह सही है, कि स्कूल में बच्चों को मेन्यु अनुसार भोजन कभी नहीं मिलता है, जिसकी जानकारी निरीक्षण करने हेतु आए सीएससी व बीआरसी सर को भी दे दी है। आज दो दिनों बाद बच्चों को माध्यन भोजन मिलेगा, हमेशा दाल ही बनाई जाती है यह सही है।

बता दें कि, महाऋषि बचत समूह मध्यान भोजन सप्लाई करता है। कहने को तो उक्त समूह की अध्यक्ष बदा पति दलसिंह वसुनिया है, परंतु दलसिंह जो कि कोटवाल होकर अपनी कोटवाली के रोप के साथ समूह का पूरा संचालक कोटवाल दलसिंह ही करता है और बच्चों के मध्यान भोजन पर ढाका डाल, महीने में 15 दिन ही भोजन देता है वह भी सिर्फ प्रतिदिन दाल देता है। चावल तो बच्चों ने मध्यान भोजन के दौरान देखे ही नहीं। जब कोई ग्रामीण मेन्यु अनुसार व प्रतिदिन बच्चों को मध्यान भोजन नहीं मिलता है इसलिए भी बच्चों की उपस्थिति स्कूल में कम होती है दलसिंह को कहते है प्रतिदिन मेन्यू अनुसार भोजन देने की बात करते हैं, तो वह कोटवाली का रोप छाड़कर अपनी मनमानी के साथ बच्चों को भोजन नहीं देता है। इतना ही नहीं इस स्कूल के किचन शेड में रसोईयन भोजन नहीं बनाकर उसके घर पर ही भोजन बनाती है।

रसोईया रमतू बाई सिंगाड़ का कहना है कि, दलसिंह अपनी मनमानी करता है यह सही है। मध्यान भोजन का सामान खत्म हो गया था, 2 दिन बाद आज थोड़ा-थोड़ा सामान लाकर दिया तो दाल व रोटी बच्चों के लिए बनाई है। दलसिंह कभी हमको हरी सब्जी नहीं लाकर देता है, न हीं कभी चावल लाकर देता है, रोज दाल ही बनती है, सामान खत्म होने के बाद सामान लाकर देता है, तब भोजन बनाती हूं, अभी 2 दिन तक भोजन नहीं बना था यह सही है। गैस की टंकी लाकर नहीं देता है इसलिए किचन शेड में भोजन नहीं बनाती हूं। रसोईयन रमतू बाई कहती है, अभी तक मैं मेरी व्यवस्था के साथ ही लकड़िया लाती हूं और मेरे घर पर ही खाना बच्चों के लिए बनाती हूं। लकड़ी का पैसा भी मुझे दलसिंह नहीं देता है।

वहीं धर्मा सिंगाड़, खुमचंद आदि सभी ग्रामीणों ने माही की गूंज प्रतिनिधि को बताया, दलसिंह समूह का संचालनकर्ता है जो कोटवाल भी है। दलसिंह गांव का ही होकर गांव के ही हमारे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर बच्चों को मध्यान भोजन नहीं देता है जो सामग्री सोसायटी से मिलती है वह खुद डकार जाता है, अब हम एकमत होकर लिखित में उक्त समूह को हटाने की मांग करेंगे।

बच्चो ने भी एक दो दिन में भोजन मिलने व राष्ट्रीय पर्व को छोड हमेषा दाल ही भोजन में देने की बात कही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422